धनबाद, शनिवार
13 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 253
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

आईएमए पासिंग आउट पर-ेड शनिवार को, 16 मित्र देशों के साथ 515 जेंटलमैन कैडेट भरेंगे 'अंतिम पग'

देहरादून, (एजेंसी): देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में शनिवार को होने वाली पासिंग आउट परेड (पीओपी) राष्ट्रीय गौरव और वैश्विक सैन्य सहयोग का प्रतीक बनेगी। परेड में कुल 515 जेंटलमैन कैडेट अंतिम कदम बढ़ाएंगे, जिनमें 481 भारतीय कैडेट और 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट शामिल हैं। परेड की समीक्षा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी, जो दो दिवसीय दौरे पर देहरादून पहुंच चुकी हैं।

पासिंग आउट परेड के साथ ही 481 भारतीय कैडेट भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में अपनी नई जिम्मेदारियां संभालेंगे, जबकि 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट भी प्रशिक्षण पूर्ण कर अपने-अपने देशों की सेनाओं में सेवाएं देंगे। आईएमए से प्रशिक्षित अधिकारी दुनिया के अनेक देशों की सेनाओं में महत्वपूर्ण दायित्व निभा रहे हैं, जिससे यह संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सैन्य नेतृत्व तैयार करने के प्रमुख केंद्रों में गिना जाता है।

राष्ट्रपति के दौरे और परेड को देखते हुए राजधानी देहरादून में सु-रक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व स्तर पर की गई है।.

मोदी और मैक्रों 14 जून को फ्रांस में करेंगे भारत इनोवेट्स का उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 14 जून को फ्रांस के नीस में ह्यभारत इनोवेट्स 2026 का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे। शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य भारत के डीप-टेक स्टार्टअप, नवाचार और अनुसंधान क्षमता को वैश्विक निवेशकों तथा उद्योग जगत के सामने प्रस्तुत करना है।

शिक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि कार्यक्रम में भारत के 120 नवप्रवर्तक, 15 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान, 500 से अधिक निवेशक, प्रमुख कॉरपोरेट कंपनियां, वेंचर कैपिटल फर्म, वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और उद्योग जगत के नेता भाग लेंगे। इसमें एड-वांस्ड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और विनिर्माण सहित 13 प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।प्रधानमंत्री मोदी के साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

भाजपा ने भारतीय राजनीति में भरोसे के संकट को किया दूर : राजनाथ सिंह

हैदराबाद, (एजेंसी) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सिकंदराबाद में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में किसी भी नेता की सबसे बड़ी पूंजी उसकी विश्वसनीयता होती है और यदि भारतीय राजनीति में भरोसे के संकट को किसी दल ने दूर किया है तो वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। हाल के चुनावों में जनता ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जिन्होंने उसका विश्वास तोड़ा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ स्पष्ट नीति अपनाई है और यह तय किया गया है कि न तो स-रकार भ्रष्टाचार करेगी और न ही किसी को करने दिया जाएगा।कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि उसके शासनकाल में कई बड़े घोटाले सामने आए, जिनमें कोयला घोटाला, 2जी घोटाला और कॉमनवेल्थ घोटाला शामिल हैं, जिनसे देश को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के रक्षा क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ, रक्षा सार्वजनिक उपक्रम, निजी उद्योग, स्टार्टअप, एमएसएमई और शिक्षा जगत अब पहले से अधिक समन्वय के साथ काम कर रहे हैं।

केंद्र की पूर्वोत्तर में बड़े बदलाव की तैयारी: 2027 तक हटेगा अफस्पा

असम-नगालैंड सीमा पर फिर शुरू होगा तेल-गैस उत्पादन

नई दिल्ली (एजेंसी) केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर भारत के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, जो क्षेत्र में शांति और विकास की नई दिशा देंगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2027 तक एक-दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) हटाया जाएगा। इसके साथ ही, केंद्र सरकार, असम और नागालैंड के बीच सीमा विवाद वाले क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़ा तेल और गैस उत्पादन फिर से शुरू करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने इस निर्णय के पीछे पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति में आए उल्लेखनीय सुधार और उग्रवादी गतिविधियों में आई कमी को प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न शांति समझौतों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिससे क्षेत्र में स्थायी शांति की बहाली संभव हुई है। अफस्पा के दायरे में लगातार की जा रही कटौती इसी प्रगति का प्रमाण है। केंद्रीय गृह मंत्री ने उम्मीद जाहिर की कि यदि कानून-व्यवस्था की वर्तमान स्थिति बनी रहती है, तब अगले वर्ष तक अधिकांश क्षेत्रों से यह कठोर कानून हटा दिया जाएगा।वहीं ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी दूसरी बड़ी घोषणा कर शाह ने बताया कि केंद्र सरकार तथा असम और नागालैंड की सरकारों के बीच सीमा विवाद वाले उस क्षेत्र में तेल और गैस उत्पादन फिर से शुरू करने पर सहमति बनी है, जो लंबे समय से विवाद और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण निष्क्रिय पड़ा हुआ था। केंद्र सरकार का अनुमान है कि इस क्षेत्र में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के तेल और गैस भंडार मौजूद हैं।उत्पादन शुरू होने के बाद, क्षेत्र की तेल उत्पादन क्षमता वर्तमान 1,000-1,500 बैरल प्रतिदिन से बढ़कर करीब दस गुना तक पहुंच सकती है। इस परियोजना से न केवल देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। केंद्र सरकार का मानना है कि शांति, सुरक्षा और आर्थिक विकास के ये कदम पूर्वोत्तर भारत को देश की विकास यात्रा में एक अधिक प्रभावी और गतिशील भूमिका निभाने में सक्षम बनाएंगे।

भारत-बांग्लादेश सीमा वार्ता संपन्नः घुसपैठ और सीमा सुरक्षा पर सीधी चर्चा

नई दिल्ली,(एजेंसी): नई दिल्ली में भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर आयोजित चार दिवसीय महानिदेशक (डीजी) स्तर की महत्वपूर्ण वार्ता संपन्न हुई। इस बैठक में सीमा पर बढ़ते तनाव, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमलों और सीमा बाड़ को क्षति पहुंचाने जैसी घटनाओं पर चर्चा की गई।

यह 57वां महानिदेशक स्तरीय सम्मेलन था, जो नई दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में बार्डर सिक्योरिटी फार्स (बीएसएफ) और बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के महानिदेशकों के बीच आयोजित हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार ने किया, जबकि बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई बीजीबी के महानिदेश-ाक मोहम्मद अशरफुज्जमां सिद्दीकी ने की। वार्ता के दौरान भारत ने सीमा पार से होने वाली अवैध घुसपैठ, बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा बीएसएफ कर्मियों और भारतीय नागरिकों पर हमलों, तथा सीमा पर लगी बाड़ को नुकसान पहुंचाने जैसे मामलों को अत्यंत गंभीरता से उठाया। बीएसएफ प्रमुख कुमार ने इन मुद्दों को प्राथमिकता के साथ संबोधित कर सीमा पर शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अनिवार्यता पर जोर दिया।बैठक का एक उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि संयुक्त दस्तावेज पर हस्ताक्षर होने के बाद भी दोनों देशों के महानिदेशकों की पारंपरिक संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित नहीं की गई, इस सीमा वार्ता के इतिहास में एक असामान्य घटनाक्रम माना जा रहा है। यह वार्ता राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण थी, क्योंकि बांग्लादेश में इस वर्ष की शुरूआत में नई सरकार के गठन और पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बलों के बीच यह पहली औपचारिक उच्चस्तरीय बैठक थी।

भारत और बांग्लादेश के बीच लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जिसमें से 2,216 किलोमीटर हिस्सा पश्चिम बंगाल से होकर गुजरता है। ऐसे में सीमा प्रबंधन, अवैध गतिविधियों की रोकथाम और द्विपक्षीय सहयोग दोनों देशों के लिए सदैव महत्वपूर्ण रहे हैं। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति, सुरक्षा और बेहतर समन्वय बनाए रखने के लिए संवाद जारी रखने तथा आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। पिछली बैठक ढाका में हुई थी।

मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से करारा झटका

-चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप से किया इनकार, याचिका खारिज

-नामांकन रद्द होने के खिलाफ पहुंची थीं शीर्ष अदालत

नई दिल्ली,(एजेंसी):सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन को बड़ा झटका देते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी है। राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार चुनावी प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद न्यायालय के हस्तक्षेप की सीमाएं निर्धारित हैं और इस चरण में अदालत चुनाव प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकती।सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि उसने याचिकाकर्ता की सभी दलीलों पर विचार किया है। याचिका में दावा किया गया था कि रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) ने यह कहते हुए नामांकन खारिज कर दिया कि उम्मीदवार ने अधूरा फॉर्म भरा तथा अपने खिलाफ लंबित शिकायत मामले की जानकारी नहीं दी। याचिकाकर्ता का कहना था कि संबंधित मामले में न तो आरोप तय हुए थे और न ही अदालत ने संज्ञान लिया था, इसलिए ऐसी जानकारी न देने के आधार पर नामांकन रद्द करना मनमाना और अवैध है।सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि आरओ के आदेश के खिलाफ निर्वाचन आयोग का रुख किया गया था। याचिकाकर्ता ने लिखित आवेदन देने के साथ आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से अपना पक्ष भी रखा, लेकिन आयोग ने कोई आदेश पारित नहीं किया।मामले में याचिकाकर्ता की ओर से संविधान के अनुच्छेद 329(बी) तथा पूर्व के न्यायिक निर्णयों का हवाला देते हुए कहा गया कि उनकी याचिका का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को बाधित करना नहीं, बल्कि उसे निष्पक्ष और पा-रदर्शी तरीके से जारी रखना है। वहीं निर्वाचन आयोग और मध्य प्रदेश सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने याचिका की ग्राह्यता पर ही प्रश्न उठाया। उनका तर्क था कि चुनाव लड़ना मौलिक नहीं बल्कि वैधानिक अधिकार है और नामांकन रद्द होने की स्थिति में एकमात्र कानूनी उपाय चुनाव याचिका दायर करना होता है।मामले की पृष्ठभूमि में मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट का चुनाव है। जांच के दौरान मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र में कथित रूप से एक आपराधिक मामले की जानकारी छिपाने का आरोप सामने आया था। इसके बाद उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया। भाजपा उम्मीदवार महेश केवट ने इस संबंध में आपत्ति दर्ज कराई थी। नामांकन रद्द होने के बाद राज्य की तीसरी राज्यसभा सीट पर मुकाबला समाप्त हो गया और महेश केवट के निर्विरोध निर्वाचित होने का रास्ता साफ हो गया।

ईंधन संकट: अब 200 लीटर से ज्यादा नहीं खरीद पाएंगे डीजल

नई दिल्ली(एजेंसी): देशभर में पेट्रोल और डीजल की संभावित किल्लत को रोकने और आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने एक बेहद सख्त और बड़ा कदम उठाया है। नए सरकारी आदेश के तहत, अब सामान्य पेट्रोल पंपों से इंडस्ट्रियल (औद्योगिक) और कमर्शियल (व्यावसायिक) उपभोक्त-ाओं द्वारा पेट्रोल-डीजल खरीदने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। अब ऐसे बड़े उपभोक्ताओं को अपनी जरूरत का ईंधन केवल अधिकृत बल्क सप्लाई प्वाइंट्स (थोक आपूर्ति केंद्रों) से ही खरीदना होगा। सरकार ने फिलहाल इस कड़े प्रतिबंध को 90 दिनों की अवधि के लिए लागू किया है, हालांकि स्थिति में संतोषजनक सुधार होने पर इसे तय समय से पहले भी वापस लिया जा सकता है।

सरकार को यह कदम इसलिए उठाना पड़ा क्योंकि अब तक कई बड़ी ट्रांसपोर्ट कंपनियां और औद्योगिक इकाइयां निर्धारित बल्क डिपो से ईंधन खरीदने के बजाय सीधे खुदरा पेट्रोल पंपों का रुख कर रही थीं। इसकी मुख्य वजह खुदरा और थोक कीमतों के बीच का भारी अंतर था। उदाहरण के लिए, दिल्ली में जहां आम खुदरा पेट्रोल पंप पर डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर है, वहीं थोक (बल्क) ग्राहकों के लिए यही डीजल 134.50 रुपये प्रति लीटर की दर से मिल रहा है। कीमतों में प्रति लीटर करीब 39 रुपये का यह बड़ा अंतर होने के कारण बड़ी कंपनियां खुदरा पंपों से भारी मात्रा में डीजल खरीद रही थीं, जिससे कई क्षेत्रों में ईंधन की कमी की स्थिति बनने लगी थी।

इसके अलावा, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक सप्लाई चेन में आ रही बाधाओं और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण देश में फ्यूल सप्लाई पर लगातार दबाव बढ़ रहा था। इस भारी अंतर के कारण सरकारी तेल कंपनियों को भी खुदरा बिक्री पर बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा था, जिसमें डीजल पर करीब 36.50 रुपये और पेट्रोल पर लगभग 9 रुपये प्रति लीटर का घाटा शामिल था। देश के 1 लाख से अधिक पेट्रोल पंपों में से लगभग 90 प्रतिशत पर नियंत्रण रखने वाली प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों के इस आर्थिक नुकसान को कम करने, जमाखोरी रोकने और देशभर में ईंधन की समान उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ही यह आपातकालीन नियंत्रण व्यवस्था लागू की गई है।

घरेलू उपभोक्ताओं को घबराने की जरुरत नहीं

इस बड़े फैसले के साथ ही सरकार ने खुदरा पेट्रोल पंपों पर डीजल की बिक्री को लेकर एक दैनिक सीमा (डेली लिमिट) भी निर्धारित कर दी है। नए नियमों के मुताबिक, अब किसी भी सामान्य खुदरा पेट्रोल पंप से एक ग्राहक या एक वाहन को एक दिन में अधिकतम केवल 200 लीटर डीजल ही जारी किया जा सकेगा। सरकार ने इस बात को पूरी तरह स्पष्ट किया है कि इस कदम से सामान्य वाहन चालकों और घरेलू उपभोक्ताओं को घबराने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है। आम जनता के लिए पेट्रोल और डीजल की नियमित सप्लाई पूरी तरह सामान्य बनी रहेगी, क्योंकि यह फैसला मुख्य रूप से बड़े व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर लिया गया है।

भोपाल में रहकर पाकिस्तान के इशारे पर कर रहा था अफगानिस्तान में अंशाति फैलाने की तैयारी

केंद्रीय जॉच एंजेसी से मिले इनपुट पर एटीएस ने पुराने शहर से संदिग्ध को किया गिरफ्तार-पाक से भेजे गए कथित देश विरोधी दस्तावेज बरामद

विशेष ट्रेनिंग के लिए अफगानिस्तान जाने की तैयारी में था युवक

भोपाल(एजेंसी): राजधानी भोपाल की एटीएस ने पुराने शहर के हनुमानगंज थाना इलाके में स्थित काजी कैंप क्षेत्र से एक ऐसे संदिग्ध पाकिस्तानी आंतकी संगठन से जुड़े एजेंट को गिरफ्तार किया है, जो भोपाल में रहकर पाकिस्तानी आतंकी संगठन के इशारे पर अफगानिस्तान में अशांति फैलाने की तैयारी में जुटा था। संदिग्ध युवक बीते काफी समय से पाकिस्तानी आंतकी संगठन के संपर्क में था। सूत्रो के मुताबिक युवक के लगातार पाकिस्तानी एंजेट से संपर्क में रहने पर इसकी भनक केंद्रीय जांच एजेंसी को लग गई। इसके बाद भोपाल एटीएस ने केंद्रीय जॉच एंजेसी से मिले इनपुट के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया। लोकल सूत्रो के अनुसार पकड़ाये गये युवक का नाम मोहम्मद फराज बताया गया है, जो कॉग्रिंस नगर में रहते हुए एक डॉक्टर के क्लिनिक पर काम करता है। टीम ने इनपुट मिलने के बाद घेराबंदी कर उसे नगर निगम कॉलोनी के पास से गिरफ्तार किया है। उस पर देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक युवक को पाकिस्तानी आंतकी संगठन के नेटवर्क से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूत्र बताते है की शुरूआती जांच में उसके कब्जे से पाकिस्तान से भेजे गए कथित देश विरोधी दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। वहीं यह भी पता चला है, की पक-ड़ाया गया आरोपी युवक कथित तौर पर विशेष ट्रेनिंग के लिए अफगानिस्तान जाने की तैयारी कर रहा था। जानकारी के मुताबिक आरोपी मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग भी ले रहा था। जांच एजेंसियों को उसके उत्तर प्रदेश के देवबंद मदरसे से जुड़े कुछ संपर्कों की भी जानकारी मिली है, जिसे लेकर आगे की पड़ताल की जा रही है।फिलहाल एजेंसी उससे पूछताछ कर उसके लोकल नेटवर्क सहित स्थानीय और विदेशी संपर्कों के साथ ही उसके द्वारा की जा रही संभावित गतिविधियों की जांच में जुटी है। जॉच एंजेसी आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेकर आगे की पूछताछ करने की तैयारी है।

मनु भाकर के कोच जसपाल राणा नहीं रहे

नई दिल्ली(एजेंसी): भारतीय खेल जगत के लिए शुक्रवार का दिन एक बेहद दुखद और स्तब्ध करने वाली खबर लेकर आया। देश के महान निशानेबाज और विख्यात कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया है। पिछले सप्ताह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उनका इलाज चल रहा था, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। राष्ट्रीय राइफल संघ ने उनके असामयिक निधन की आधिकारिक पुष्टि की है। उनके जाने से भारतीय खेल जगत, विशेषकर शूटिंग बिरादरी में गहरे शोक की लहर दौड़ गई है और इसे खेल इतिहास के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।राणा के कोचिंग करियर का स्वर्णिम अध्याय देश की स्टार निशानेबाज मनु भाकर के साथ जुड़ा रहा।

उन्होंने मनु के करियर के सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील दौर में उनके खेल को एक नया आयाम दिया। उनके कुशल मार्गदर्शन और गहन प्रि-शक्षण का ही परिणाम था कि मनु भाकर ने वर्ष 2024 के पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और मिक्स्ड टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पधाओं में दो ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।जानकारी के अनुसार, जसपाल राणा वर्तमान में भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई-परफॉर्मेंस कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। पिछले हफ्ते म्यूनिख, जर्मनी में आयोजित हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भाग लेकर जब भारतीय दल स्वदेश लौट रहा था, तब उड़ान के दौरान विमान में अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई थी। दिल्ली के हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद उन्हें साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी आवश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएं पूरी की गईं और चिकित्सकों की देखरेख में उनका सघन उपचार चल रहा था। दुर्भाग्यवश, उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।जसपाल राणा का जाना भारतीय निशानेबाजी के लिए एक युग का अंत माना जा रहा है। उन्होंने तीन दशकों से भी अधिक समय तक एक उत्कृष्ट खिलाड़ी और मार्गदर्शक के रूप में इस खेल की सेवा की। 1990 के दशक में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय निशानेबाजी का परचम लहराने वाले राणा देश के सबसे सफल पिस्टल शूटरों में से एक थे। उन्होंने एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में अनेक स्वर्ण और रजत पदक जीतकर वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा कायम किया था। उनकी इन बेमिसाल जीतों ने भारत में निशानेबाजी को एक बेहद लोकप्रिय खेल बनाने में क्रांतिकारी भूमिका निभाई और देश के लाखों युवाओं को इस खेल से जुड़ने की प्रेरणा दी।

संक्षिप्त खबरें

गेतलसूद सोलर प्रोजेक्ट के बेस कैंप में ग्रामीणों का प्रदर्शन, सेकी को सौंपा गया मांग पत्र

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : गेतलसूद डैम के अंतर्गत निमार्णाधीन सोलर पावर परियोजना से प्रभावित आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को गेतलसूद स्थित सेकी के बेस कैंप में रोषपूर्वक प्रदर्शन किया।ग्रामीणों का आरोप था कि सेकी के सीएसआर फंड का लगातार दुरुपयोग किया गया है, फर्जी बिल बनाकर करोड़ों रुपए की बंदरबांट की गई है।यहां बिचौलिये हावी है। ग्रामीणों ने स्थानीय विकास और विस्थापितों के अधिकारों को पहली प्राथमिकता देने की मांग की।मुफ्त बिजली देने की मांग रखी।इस दौरान विस्थापित संघर्ष समिति के बैनर तले ग्रामीणों ने सेकी प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा।मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख दीपा उरांव, पूर्व प्रमुख अनिता गाड़ी, मुखिया शांति मुंडा, जितेंद्र उरांव, अजय उरांव, कामेश्वर महतो, सूरज उरांव, कृष्णा महतो, जगेश्वर महतो, गौरीशंकर मुंडा, हरिनंदन गोस्वामी, राजेश लोहरा, बिट्टू उरांव, चंदन गोस्वामी, विवेक गोस्वामी, सुधीर महतो, राजन महतो, गणेश करमाली, सत्येंद्र मुंडा सहित भारी संख्या में आंदोलित ग्रामीण उपस्थित थे।उल्लेखनीय है कि गेतलसूद में सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के खिलाफ लगातार ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ रहा है, बिचौलियों के हावी रहने एवं सीएसआर मद की राशि का बंदरबांट करने का आरोप लगाकर ग्रामीण क्रमबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। विगत 18 मई को भी यहां घेराव व प्रदर्शन किया गया था, इसके बाद अंचल कार्यालय में आयोजित बैठक में भी सेकी के अधिकारी सीएसआर मद में खर्च की गई राशि का विवरण नहीं दे सके थे। ग्रामीण पूर्व में दिए गए ज्ञापन पर किसी प्रकार कार्रवाई नहीं होने से ज्यादा नाराज हैं।

राज्पाल से जनहित मुद्दों को लेकर मिला भारत आदिवासी पार्टी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को भारत आदिवासी पार्टी, पश्चिमी सिंहभूम के जिला अध्यक्ष सुशील बाड़ला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन में भेंट की तथा विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल का ध्यान पश्चिमी सिंहभूम जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट चाइबासा के कार्यों में कथित अनियमितताओं की ओर आकृष्ट करते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच झारखंड उच्च न्यायालय की निगरानी में कराये जाने के लिए पहल करने का आग्रह किया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत अधिसूचित एवं खनिज संपदा से समृद्ध पश्चिमी सिंहभूम जिले में खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास के उद्देश्य से जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट में बड़ी राशि उपलब्ध है, लेकिन इसके बावजूद अनेक प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का अपेक्षित लाभ स्थानीय लोगों तक समुचित रूप से नहीं पहुंच पा रहा है।ज्ञापन में विशेष रूप से मनोहरपुर प्रखंड के राजस्व ग्राम लाइलोर में स्थापित जलापूर्ति योजना का उल्लेख करते हुए कहा गया कि इसके माध्यम से नौ गांवों के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाना था, लेकिन पाइपलाइन का कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण ग्रामीण आज भी दूषित जल के उपयोग को विवश हैं। प्रतिनिधिमंडल द्वारा सारंडा वन क्षेत्र में वर्ष 2005 से पूर्व से निवास कर रहे लोगों को वनाधिकार अधिनियम -2006 के प्रावधानों के अनुरूप वनाधिकार पट्टा प्रदान करने तथा उन्हें संविधान प्रदत्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक पहल किये जाने का भी अनुरोध भी किया।

विश्व रक्तदाता दिवस के सफल क्रियान्वयन को लेकर सीएस की अध्यक्षता में हुई बैठक

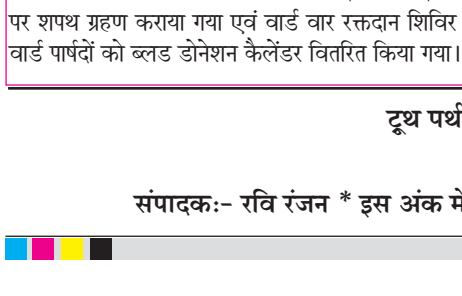

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : सिविल सर्जन खूंटी के सभागार में विश्व रक्तदाता दिवस के सफल क्रियान्वयन हेतु सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक की अध्यक्षता में खूंटी नगर पंचायत के सम्मानित अध्यक्ष रानी टूटी,उपाध्यक्ष शशांक शेखर एवं निर्वाचित सभी वार्ड पार्षदों के साथ कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ सिविल सर्जन एवं नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।अपने संबोधन में सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक ने बताया कि आगामी 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाएगा इस वर्ष कार्यक्रम का थीम है वन ड्रॉप ऑफ ह्यूमनिटी,गिव ब्लड सेव्स लाइव्स,मानवता की एक बूंद रक्तदान करे जीवन बचाये।उन्होंने बताया कि खूंटी जिले में थैलीसीमिया पीड़ित मरीजों एवं दुर्घटना मरीजों, गर्भवती महिलाओं एवं एनीमिया से पीड़ित बच्चों एवं बुजुर्गों को समय समय पर रक्त की आवश्यकता पड़ती है।अतः जिले के रक्तकोष में रक्त की कमी को देखते हुए रक्तदान हेतु जनभागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।उन्होंने उपस्थित वार्ड पार्षदों से अपने अपने वार्ड में रक्तदान शिविर लगाने के लिए प्रेरित किए नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी ने बताया कि रक्तदान महादान है इसमें आम नागरिक के साथ साथ जनप्रतिनिधि को भी रक्तदान के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। उन्होंने सभी पार्षदों को रक्तदान के लिए आगे आने के लिए कहा।जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ शोभा किस्पोट्टा ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को एनीमिया से मुक्त होने के लिए नियमित आइरन एवं कैलशियम गोली खाने हेतु जागरूक करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित सभी वार्ड पार्षदों को रक्तदाता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कराया गया एवं वार्ड वार रक्तदान शिविर लगाने हेतु सभी वार्ड पार्षदों को ब्लड डोनेशन कैलेंडर वितरित किया गया।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर डीएलएसए पारा विधिक स्वयंसेवकों का क्षमता संवर्धन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरयकेला : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सरायकेला-खरसावां द्वारा विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर पारा विधिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) के लिए क्षमता संवर्धन कार्यक्रम सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पारा विधिक स्वयंसेवकों, विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, हितधारकों तथा बाल अधिकार एवं विधिक सहायता से जुड़े व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का उद्देश्य पारा विधिक स्वयंसेवकों की क्षमता में वृद्धि करना तथा बाल श्रम की समस्या, बच्चों के संरक्षण हेतु उपलब्ध कानूनी प्रावधानों एवं बाल श्रमिकों के पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री तौसीफ मेराज, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सरायकेला-खरसावां ने बाल अधिकारों एवं बाल श्रम से संबंधित विभिन्न कानूनी पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाल श्रम बच्चों के मौलिक अधिकारों का हनन करता है तथा उनके शारीरिक, मानसिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने पारा

विधिक स्वयंसेवकों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे बाल श्रम की पहचान, पीड़ित बच्चों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने तथा उनके पुनर्वास में महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करते हैं।उन्होंने बच्चों के संरक्षण हेतु उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं विधिक सहायता तंत्र की जानकारी देते हुए कहा कि बाल श्रम उन्मूलन के लिए सरकार, विधिक सेवा संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों एवं समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा।अपने संबोधन के दौरान श्री तौसीफ मेराज ने बाल श्रम में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई संबंधी प्रावधानों की भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986, कारखाना अधिनियम, खान अधिनियम तथा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21ए, 24, 39(ई) एवं 39(एफ) बच्चों को श्रम से सुरक्षा प्रदान करते हैं तथा उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान और समुचित विकास का अधिकार सुनिश्चित करते हैं।उन्होंने कहा कि बाल श्रम में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति, नियोक्ता, प्रतिष्ठान अथवा संगठन के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जा सकती है। बाल श्रमिकों को नियोजित करने वाले नियोक्ता को छह माह से तीन वर्ष तक के कारावास तथा 20,000 से 50,000 रुपए तक के जुमार्ने अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है। उन्होंने सभी हितधारकों से अपील की कि वे बाल श्रम की किसी भी घटना की सूचना तत्काल संबंधित प्राधिकारियों को दें ताकि प्रभावित बच्चों का शीघ्र उद्धार एवं पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके।कार्यक्रम में उपस्थित परिवीक्षाधीन उप समाहर्ता नवीन कुमार बाड़ा एवं विष्णु मुंडा ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने बाल श्रम के सामाजिक, आर्थिक एवं कानूनी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि बाल श्रम उन्मूलन में सामुदायिक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पारा विधिक स्वयंसेवकों से अपने-अपने कार्यक्षेत्र में जागरूकता फैलाने तथा बाल श्रम की घटनाओं की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुँचाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को बाल श्रम से संबंधित कानूनी प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों, पुनर्वास योजनाओं तथा निवारक उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सम्मान, सुरक्षा एवं स्वस्थ बचपन का अधिकार प्राप्त है।कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने बाल श्रम उन्मूलन हेतु सक्रिय रूप से कार्य करने तथा बाल श्रम की किसी भी घटना की जानकारी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों को सूचित करने की शपथ ली। सभी ने बच्चों के अधिकारों की रक्षा एवं बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।कार्यक्रम का समापन बाल श्रम उन्मूलन, बच्चों के अधिकारों के संरक्षण तथा उनके सुरक्षित, सम्मानजनक एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

ग्रामीणों के शिकायत पर देर रात रेंगनिया पहुंचे वित्त मंत्री,अवैध मिट्टी उत्खनन में लगे एक पोकलेन व तीन ट्रेलर को कराया जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : वित्त मंत्री सह स्थानीय विधायक राधाकृष्ण किशोर प्रखंड क्षेत्र के रेंगनिया गांव में देर रात्रि पहुंचे।उक्त गांव में जीएम लैंड भूमि से मिट्टी मोरम में अवैध उत्खनन ने किया जा रहा है।मंत्री के निर्देश पर उक्त स्थल से अवैध रूप से मिट्टी मोरम उठाव कर रहे तीन टेलर व एक पोकलेन को जब्त कराया।इस मामले की शिकायत स्थानीय ग्रामीणों ने मंत्री श्री किशोर से किया था। प्रशासन को भी सूचना दी गई थी, लेकिन प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने से लोगों में आक्रोश था।प्रखंड क्षेत्र के गोसाईडीह, रागनियां आदि गांवों पिछले दो वर्ष से अंतरराज्यीय गिरोह के द्वारा अवैध उत्खनन किया जा रहा था।मिट्टी को बिहार के कई जिलों में भेजा जा रहा था। क्षेत्र में लगभग 300 एकड़ से अधिक की भूमि पर मिट्टी की कटाई की जा चुकी है। जिसकी सूचना मिलने पर वित्त मंत्री श्री किशोर रात करीब 11 बजे रेंगनिया पहुंचे।मंत्री का काफिला देख मौके पर उपस्थित मिट्टी उत्खनन में लगे सभी लोग फरार हो गये। स्थल पर देखा गया की मिट्टी करने वाली मशीन पोकलेन तथा मिट्टी के परिवहन कार्य में लगे तीन ट्रेलर (क्रमशः बीआर 26 जीसी 5571, सीजी 22 ए 0156, सीजी 15 इजे 4283) को जप्त किया गया। साथी एक पोकलेन को भी जप्त किया गया।वित्त मंत्री ने बताया कि क्षेत्र में लोगों द्वारा अवैध उत्खन कर बिहार तथा अन्य राज्यों में मिट्टी मोरम की तस्करी की जा रही है।माफियाओं के द्वारा बिना किसी लीज या बिना वैध कागजात के राजस्व की चोरी की जा रही है। मिट्टी चोरी के मना करने पर माफियाओं के द्वारा स्थानीय लोगों को धमकी दी जाती थी। मिट्टी चोरी के इस बड़े खेल में स्थानीय प्रशासन को संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए थी।हालांकि ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना अंचल कार्यालय को भी दी गई थी।जिस पर ठोस कार्रवाई करने की आवश्यकता है। मौके पर एसडीपीओ प्रशांत कुमार को सूचित किया गया. सूचना पाकर प्रशांत कुमार स्थल पर पहुंचे व गाड़ियों को जप्त कर थाने की सुपर्द किया।सीडीपीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि फिलहाल खनन विभाग को सूचित किया गया है।जप्त किए गए वाहनों की जानकारी निकाली जा रही है।खान निरीक्षक हरेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि विभाग द्वारा मामला दर्ज कर कार्रवाई की जायेगी।

लोहरदगा के सभी विद्यालयों में विशेष आधार नामांकन एवं बायोमेट्रिक अपडेट अभियान शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : उपायुक्त संदीप कुमार मीना के निर्देश पर जिले के सभी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत आधार कवरेज सुनिश्चित करने के लिए विशेष आधार नामांकन एवं अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत ऐसे विद्यार्थियों का आधार नामांकन किया जाएगा जिनका आधार कार्ड अब तक नहीं बना है। साथ ही 5 वर्ष एवं 15 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों के आधार का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट भी किया जाएगा।जिला प्रशासन द्वारा अभियान के सफल संचालन के लिए विद्यालयों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां विद्यार्थियों को आधार नामांकन और बायोमेट्रिक अपडेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के आधार संबंधी लंबित कार्यों का निःशुल्क निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा।उपायुक्त ने कहा कि आधार से संबंधित अद्यतन जानकारी विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं छात्र हित से जुड़ी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। इसलिए सभी विद्यालय प्रबंधन, अभिभावक एवं संबंधित विभाग इस अभियान को प्राथमिकता के आधार पर सफल बनाने में सहयोग करें।जिला प्रशासन ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का आधार सत्यापन एवं आवश्यक बायोमेट्रिक अपडेट समय रहते अवश्य करा लें, ताकि भविष्य में किसी भी पात्र विद्यार्थी को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं के लाभ से वंचित न होना पड़े।

जंगल में मिला 15 दिनों से लापता महिला का कंकाल, कपड़ों से हुई पहचान,सनसनी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू के पांडू थाना क्षेत्र के ग्राम बसडीहा स्थित जिन पत्थर जंगल के पास एक महिला का कंकाल मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी है।मृतका की पहचान बसडीहा गांव निवासी विनोद राम की 37 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी के रूप में की गयी है।वह पिछले महीने से लापता थी।कंकाल के पास बिखरे कपड़ों को देखकर परिजनों ने उसकी पहचान की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।परिजनों के अनुसार, सुनीता देवी 29 मई को जंगल में लकड़ी चुनने गयी थी।देर शाम तक जब वह घर वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की। कोई सुराग न मिलने पर परिजनों ने इस संबंध में पांडू थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया था।

गुरुवार शाम गांव के एक व्यक्ति ने जिन पत्थर जंगल के पास जमीन पर खून के धब्बे और बिखरे हुए कपड़े देखे।उसने तुरंत इसकी सूचना ग्रामीणों को दी।शुक्रवार सुबह जब परिजन और ग्रामीण सामूहिक रूप से घटनास्थल पर पहुंचे, तो वहां एक मानव कंकाल मिला।कंकाल के बगल में पड़े कपड़ों को देखकर परिजनों के होश उड़ गये।उन्होंने कपड़ों से सुनीता देवी की पहचान की।घटना की जानकारी मिलते ही पांडू थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची।पुलिस ने कंकाल को अपने कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है।महिला की मौत कैसे हुई और उसका कंकाल वहां कैसे पहुंचा, पुलिस इन सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है।इधर, महिला का कंकाल मिलने की खबर जैसे ही गांव में फैली, मृतका के घर में चीत्कार मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी है।

बायोमेट्रिक व्यवस्था पर एएलसी, सेल प्रबंधन और झामसंसं के बीच वार्ता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : किरीबुरू हिलटॉप स्थित केटीआई कॉन्फ्रेंस रूम में शुक्रवार को एएलसी, सेल प्रबंधन और झारखंड मजदूर संघर्ष संघ (झामसंसं) के बीच बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक हुई। यूनियन की ओर से महामंत्री राजेन्द्र सिंधिया ने कहा कि वर्ष 1973 से लागू सर्टिफाइड स्टैंडिंग ऑर्डर के तहत धारा 16(बी) व 16(सी) के अनुसार कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज होती रही है और इसमें बायोमेट्रिक प्रणाली का कोई प्रावधान नहीं है। उनका कहना था कि बिना संशोधन के इसे लागू करना नियमों के विरुद्ध है। सेल प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक अमित विश्वास ने मॉडल स्टैंडिंग ऑर्डर का हवाला देते हुए बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू करने

का पक्ष रखा। यूनियन ने बताया कि इस मामले को लेकर सीजीआईटी कोर्ट में वाद लंबित है तथा 15 जून को सुनवाई निर्धारित है। साथ ही आईडी एक्ट की धारा 33 का उल्लेख करते हुए कहा गया कि विवाद विचाराधीन रहने तक सेवा शर्तों में बदलाव नहीं किया जा सकता। एएलसी चाईबासा-सह-हजारीबाग ने दोनों पक्षों से कानून का पालन करने और खदान क्षेत्र में औद्योगिक विवाद (आईआर प्रॉब्लम) की स्थिति नहीं बनने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मामला न्यायालय के अधीन होने के कारण वे कोई आदेश नहीं दे सकते। बैठक में झामसंसं के अध्यक्ष रामा पाण्डे सहित किरीबुरू, मेघाहातुबुरु और गुवा इकाई के पदाधिकारी उपस्थित थे। अंततः अगली न्यायिक सुनवाई तक बैठक स्थगित कर दी गई।

फूड इंस्पेक्टर ने मिठाई दुकान में मारा छापा, जारी किया नोटिस, एकत्र किया नमूना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहेबगंज : आम लोगों को बेहतर और गुणवत्ता पूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध नहीं कराए जाने वाले दुकानदारों की जांच अब शुरू हो गई है। पाकुड़ के खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार जो साहिबगंज जिले के अतिरिक्त प्रभार में हैं। शुक्रवार को उन्होंने साहिबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर बाजार के विभिन्न मिठाई दुकान में छापा मारा और वहां से नमूना कलेक्ट किया तथा कई दुकानदारों को खाद्य पदार्थ सही नहीं होने पर उन्हें खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत नोटिस थमाया। कुछ दुकानदारों को कड़ी हिदायत देते हुये कहा कि राजा रानी रंग तथा और भी कलरफुल रंग का उपयोग मिठाई तथा नाश्ते के सब्जी और छोले में नहीं करनी है। फूड इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि आम लोगों को शुद्ध और पोषक तत्व वाला खाद्य पदार्थ दुकानदार को उपलब्ध कराना है।किसी भी प्रकार का रंग या कोई भी केमिकल का उपयोग मिठाई या नाश्ते में नहीं करना है। ऐसे दुकानदार अगर करते हुए पकड़े जाएंगे तो उनके विरुद्ध हम लोग पहले नोटिस जारी करेंगे।अगर वह अपने कार्यशैली में सुधार नहीं लाते हैं तो उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई भी करते है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में कोटालपोखर बाजार के हाटपाड़ा,शांतिमोड,रेलवे फाटक, सहित अन्य जगह पर जांच किया गया है और कड़ी हिदायत भी दिया गया है तथा कुछ लोगों का सैंपल ठीक पाया गया है। जिनकी गड़बड़ी थी उन्हें नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।संतोष जनक जवाब नहीं प्राप्त होने पर जुमार्ना तथा प्राथमिकी भी दर्ज किए जाने की प्रावधान है।अभी हम लोग पूरी जांच कर रहे हैं कुछ सिंपल इकट्ठा किया गया है।जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। उक्त मौके पर काफी संख्या में खाद्य सुरक्षा विभाग कर्मी मौजूद थे।

सरसोत में अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, दो देशी कट्टा जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के सरसोत गांव में अवैध हथियार रखने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके निशानदेही पर दो देशी कट्टा बरामद किया है।मामले की जानकारी छतरपुर एसडीपीओ प्रशांत कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सरसोत गांव का एक युवक अवैध देशी कट्टा अपने पास रखे हुए है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक पलामू के निर्देश पर एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए सरसोत गांव निवासी उपेंद्र साव के पुत्र अभय कुमार उर्फ अभय राज उर्फ लड्डू (19 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ के दौरान युवक की निशानदेही पर दो अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे गये दो अवैध देशी कट्टा बरामद किये गये।बरामदगी के बाद पुलिस ने हथियारों को जब्त कर लिया।इस संबंध में हरिहरगंज थाना में कांड संख्या 105/2026 दर्ज किया गया है।मामले में गिरफ्तार युवक एवं एक अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए एवं 26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है।गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

सत प्रतिशत दिव्यांग सलमा खातून को मिला डालसा का सहारा

सरकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल तेज ।

समाज के हर वर्ग का उत्थान हो इसके लिए डालसा ततपर न्यायाधीश ।

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगाते थक गई शत प्रतिशत दिव्यांग सलमा खातून को आज डालसा ने जीवन जीने की नई उम्मीद दी है .धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर शत प्रतिशत दिव्यांग सलमा खातून को दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया गया है दिव्यांग प्रमाण पत्र मिलने के बाद सलमा काफी खुश नजर आई।वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि सलमा खातून के दिव्यांग होने एवं सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहने की सूचना प्राप्त होते ही मामले को गंभीरता से लिया गया। क्षेत्र के अधिकार मित्र ओमप्रकाश दास को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। उनके प्रयास तथा संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी के सहयोग से सलमा खातून का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाकर उपलब्ध करा दिया गया। न्यायाधीश ने बताया कि प्रमाण पत्र मिलने के बाद अब उन्हें विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है . इसके अतिरिक्त सलमा खातून के तीन बच्चों को भी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कार्रवाई शुरू हो गई है.

आंदोलन स्थगित करने का आग्रह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः एसबीआई ने ठगी के शिकार हुए भुक्तभोगी बासुदेव ठाकुर को आंदोलन स्थगित करने को कहा है। भुक्तभोगी ने उसके जवाब में एसबीआई से कहा कि संदिग्ध व्यक्ति विजय कुमार शकामूरी को 35.5 लाख हस्तांतरण करने से पूर्व हमें कॉल क्यों नहीं किया . एसबीआई ने ठगी के शिकार हुए भुक्तभोगी बासुदेव ठाकुर को आंदोलन स्थगित करने की बात कहीं है। भुक्तभोगी ने उसके जवाब में एसबीआई से कहा कि संदिग्ध व्यक्ति विजय कुमार शकामूरी को 35.5 लाख हस्तांतरण करने से पूर्व हमें कॉल क्यों नहीं किया पहले इसकी लिखित दे, तत्पश्चात सत्याग्रह वापस लिया जाएगा। सत्याग्रह चौथे दिन भुक्तभोगी बासुदेव ठाकुर ने एसएसपी और डीसी से भेंट कर अपनी पीड़ा और व्यथा सुनाई। विदित हो कि रणधीर वर्मा चौक धनबाद में सपरिवार सत्याग्रह पर बैठे बासुदेव ठाकुर ने एसबीआई के रीजनल प्रबंधक को पत्र देकर अपने खाते से हुई 35.5 लाख निकासी की बिंदुवार जांच करने की मांग की है, साथ ही साथ वरीय पुलिस अधीक्षक और डीसी से भेंट कर कहा कि एसबीआई द्वारा चेक से संदिग्ध व्यक्ति को हस्तांतरण करने से पहले कॉल करने से 35.5 लाख रुपया गबन से बच जाता, जिसके कारण मेरा पूरा परिवार सड़क पर आ गया है । इन्होंने वरीय पुलिस प्रशासन से भी जांच की मांग की है।धरना आज चौथे दिन जारी है, ग्राम स्वराज अभियान के जगत महतो ने कहा कि बासुदेव ठाकुर की चेक से निकासी की जांच तुरंत कर दोषी बैंक कर्मी/अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सत्याग्रह में बासुदेव ठाकुर के साथ उनका पुत्र विनोद ठाकुर, सतेंद्र ठाकुर, उपेंद्र ठाकुर, प्रदीप कुमार, रामजी ठाकुर, नाती रंजन ठाकुर, शिवम कुमार, अभिषेक ठाकुर सहित अन्य लोग दिन रात सत्याग्रह में शामिल होकर जिला प्रशासन और बैंक से गबन की राशि रिकवरी की मांग किया।

जिला मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिभा सम्मान समारोह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा 14 जून रविवार को संध्या 05 बजे से राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, धनसार, धनबाद में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। इसी आयोजन के संदर्भ में शुक्रवार को अग्रसेन भवन हीरापुर में आयोजित कांफ्रेंस में धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष चेतन गोयनका ने बताया की इस अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों शैक्षणिक, खेल, कला, सांस्कृतिक एवं सामाजिक सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने वाले बालक- बालिकाओं एवं युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में समाज के अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रहेगी।प्रेस वार्ता में चेतन गोयनका अध्यक्ष धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन, कृष्णा अग्रवाल प्रांतीय उपाध्यक्ष, दीपक रुईया संयोजक समेत धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अन्य सदस्य मौजूद थे।

बिना लाइसेंस संचालित होटल ट्रायोटेल को निगम ने किया सील

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। नगर निगम ने बिना वैध अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) संचालित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सरायढेला स्थित होटल ट्रायोटेल पर कार्रवाई करते हुए उसके संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। साथ ही होटल परिसर को सील करने का आदेश जारी किया गया है। नगर निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार, झारखंड शहरी क्षेत्र धर्मशाला, विवाह भवन, बैंक्वेट हॉल, लॉज एवं हॉस्टल निर्माण एवं अनुज्ञप्ति नियमावली, 2013 के तहत होटल ट्रायोटेल, लक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, मेन रोड, सरायढेला, वार्ड संख्या-24, धनबाद के संचालक/मालिक भानु खत्री को लाइसेंस प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक सूचना एवं नोटिस के माध्यम से पर्याप्त अवसर दिया गया था। इसके बावजूद निर्धारित अवधि के भीतर अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया। निगम अभिलेखों के अनुसार आवश्यक लाइसेंस के बिना प्रतिष्ठान का संचालन नियमों के विपरीत पाया गया। होटल ट्रायोटेल के संचालन पर तत्काल रोक लगाते हुए परिसर को सील करने का आदेश जारी किया गया।

विकास योजनाओं में मिली गड़बड़ी, डीसी ने धनबाद सीओ पर की कार्रवाई, लिपिकों का वेतन रोका

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन ने शुक्रवार को पुटकी स्थित धनबाद सदर प्रखंड कार्यालय के सभागार में धनबाद सदर तथा पुटकी अंचल एवं धनबाद अंचल में चल रही राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजना की समीक्षा की। समीक्षा में गड़बड़ी मिलने पर धनबाद सीओ रामप्रवेश कुमार का वेतन स्थगित कर दिया। तीन जेई, एक एई व एक पंचायत सेवक को कारण बताओ नोटिस जारी किया। धनबाद अंचल के लिपिकों व कर्मियों का वेतन स्थगित कर दिया। टीमो ं ने किया निरीक्षण सात टीम ने धनबाद सदर के नवाडीह, दामोदरपुर, धोखरा, सियालगुदरी, गोपीनाथडीह, पांडरकनाली एवं पेटिया पंचायत में विभिन्न योजनाओं का औचक निरीक्षण किया गया। टीम ने पंचायतों में अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), जन वितरण प्रणाली, मनरेगा, आंगनबाड़ी केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर व अन्य योजनाओं का औचक निरीक्षण कर उपायुक्त को अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट की समीक्षा करने के क्रम में उपायुक्त ने धोखरा, अरलगड़िया एवं दुबराजडीह के कनीय अभियंता (जेई), सियालगुदड़ी के पंचायत सचिव तथा दुबराजडीह के सहायक अभियंता (एई) के कार्य को असंतोष पाए जाने पर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। वहीं धनबाद अंचल की समीक्षा के क्रम में विभिन्न रजिस्टरों की अनुपलब्धता, विभिन्न पंजी में सही संधारण नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने धनबाद अंचल के लिपिक एवं सभी कर्मियों का तत्काल प्रभाव से वेतन रोकने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने धनबाद अंचल में सरकारी जमीन के अतिक्रमण की भी समीक्षा की। उन्होंने अंचल अधिकारी को अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं धनबाद अंचल की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने धनबाद अंचल के अंचल अधिकारी को शो-कोज किया। दरअसल, बिनोद बिहारी चौक के समीप गैराबाद जमीन पर अवैध कब्जा कर कई दुकानों का निर्माण किया गया है। जिसे लेकर उपायुक्त ने धनबाद सीओ को अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। इस कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण उपायुक्त ने कड़ी फटकार लगाते हुए सीओ को शो-कॉज करने के निर्देश दिया। साथ में अंचल अधिकारी को एसएनएमएमसीएच के आसपास से अतिक्रमण हटाने तथा जेसी मल्लिक स्थित मल्लिक तालाब को अतिक्रमण मुक्त करने का भी निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को लैंड बैंक बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अंचल में लैंड बैंक बन जाने से भारत सरकार एवं राज्य सरकार की योजना के लिए सरकारी जमीन आसानी से उपलब्ध होगी। योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण कई महत्वपूर्ण योजना छूट जाती है। लैंड बैंक बनने से योजना के लिए सबसे उपयुक्त स्थल का चयन आसानी से किया जा सकेगा। बैठक में पेयजलापूर्ति, भूमि हस्तांतरण, जल जीवन मिशन, मनरेगा, आवास निर्माण सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, धनबाद सीओ रामप्रवेश कुमार, पुटकी सीओ विकास आनंद, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार, डीसीएलआर दिलीप कुमार महतो, प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी कालिदास मुंडा, पीएचईडी एक एवं दो के कार्यपालक अभियंता के अलावा विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

पेयजल संकट के समाधान का किया जा रहा है प्रयासः डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिले में पेयजल की समस्या का समाधान का प्रयास किया जा रहा है। धनबाद सदर में भी पेयजल की समस्या है। यहां कि समस्या का भी समाधान किया जा रहा है। कुछ कोलियरी क्षेत्रों में पाइप लाइन और बोरिंग से जलापूर्ति संभव नहीं हैं। इन क्षेत्रों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जाएगी। उक्त बातें डीसी आदित्य रंजन ने शनिवार को कही। डीसी ने अधिकारियों के साथ पुटकी अंचल सह धनबाद प्रखंड कार्यालय में उच्च स्तरीय बैठक की। इसमें पेयजल संकट से निदान के उपायों पर भी चर्चा हुई। विकास योजनाओं की स्थिति की भी डीसी ने समीक्षा की। बैठक में डीडीसी सन्नी राज भी मौजूद थे। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में डीसी ने कहा कि जिले में सबसे ज्यादा जल संकट धनबाद प्रखण्ड में है।जिसके समाधान के लिए प्रखण्ड में बैठक कर समस्या को दूर करने पर चर्चा हुई। बीसीसीएल के कोलियरी इलाको में पानी की सबसे अधिक समस्या है। यहां की की समस्या का 100 प्रतिशत समाधान नहीं हो सकता। ऐसे क्षेत्रों में टैंकर आदि से पानी की आपूर्ति की जा रही है।उन्होंने कहा कि रेलवे से एनओसी मिलते ही

धनबाद प्रखण्ड कार्यालय के निकट ग्रामीण इलाकों में पाइप लाइन बिछा दी जाएगी। एनओसी मिलने के बाद धनबाद बोकारो सड़क के परसिया से प्रखण्ड कार्यालय तक नई एप्रोच सड़क बनेगी।डीएमएफटी फंड से सड़क बनेगा। छह महीने से रेलवे के एनओसी के लिए काम रुका हुआ है। उन्होंने बताया कि तीन महीनों में तीन हजार चापाकल, पाइप लाइन, व सोलर व्यवस्था में सुधार किया गया है। अभी भी बड़ी लागत वाली समेत चार से पांच सौ चापाकलों की समस्या को दूर करना बाकि है। जिस्का सुधार करने का निर्देश दिया गया है। डीसी ने कहा कि अंचल के अधिकारियों को लैंड बैंक बनाने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंचल की सरकारी भूमि को जल्द चिन्हित किया जाय। ताकि केंद्र व राज्य की योजनाओं के लिए जल्द से स्कूल, अस्पताल के लिए उपयोगितापूर्ण जमीन उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में पंचायती राज पदाधिकारी काली दास मुंडा, अपरसमाहर्ता विनोद कुमार, समाजिक सुरक्षा के निदेशक नियाज अहमद, समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेहलता कश्यप, पुटकी बीडीओ सह सीओ विकास आनन्द, सीओ राम प्रवेश कुमार, सीडीपीओ अलका रानी के अलावे जिले के विभिन्न विभागों के अभियंता कर्मी मौजूद थे। उपायुक्त के निर्देश पर सात टीमो ने धनबाद प्रखण्ड के सात पंचायत नावाडीह, दामोदरपुर, धोखरा, पांडरकनाली, सियाल गुदरी, गोपीनाथडीह व पेटिया पंचायत के स्कूल, आंगनबाड़ी ,जनवितरण प्रणाली, सचिवालय भवन के क्रिया कलापो का निरीक्षण किया। सियालगुदरी के ईंदिरा आवास आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका नीलिमा कुमारी ने कार्यपालक दंडाधिकारी रविन्द्र नाथ ठाकुर का प्रदेश के रीतिरवाज अनुरूप स्वागत किया।टीम करीब आधे घण्टे तक केंद्र की गतिविधियों का निरीक्षण किया। डीसी ने बताया कि गठित टीम ने सभी पंचायतों का दौरा कर जांच किया कहीं कोई त्रुटि नही मिली।

बाल श्रम रोकने के लिए जून में चलेगा अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःविश्व बाल श्रमिक निषेध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने जिले में बाल मजदूरी के खिलाफ सघन जनजागरूकता अभियान चलाया। जिसमें विभिन्न सरकारी विभागों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के अफसरों, सामुदायिक नेताओं और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। रेलवे स्टेशन धनबाद में रेलवे सुरक्षा बाल,राजकीय रेल पुलिस एवं चाइल्ड लाइन,बस स्टेण्ड बरटांड आदि स्थानों में जगरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, सहायक श्रमायुक्त कार्यालय,बाल कल्याण समिति में बैठक कर जून माह में छापेमारी कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया। झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के निदेशक शंकर रवानी ने कहा कि जून महीने को बाल श्रम के खिलाफ एक्शन मंथ के तौर पर मनाया जाता है और चूंकि बच्चों की ट्रैफिकिंग बाल मजदूरी का मुख्य कारण है, इसलिए नागरिक समाज संगठन इस दौरान पुलिस व प्रशासन के साथ मिलकर दुव्यार्पारियों और उनके गठजोड़ की शिनाख्त के लिए कड़ी नजर रखते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की जगह ढाबों और फैक्ट्रियों में नहीं बल्कि स्कूल में है। चूंकि ट्रैफिकिंग और बाल मजदूरी आपसे में गहरे तक जुड़े हैं, हम ट्रैफिकिंग की रोकथाम, बच्चों को मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन प्रशासन व कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय के साथ काम करते रहेंगे। मौके पर सहायक श्रमायुक्त प्रवीन कुमार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी,बाल कल्याण समिति के ममता अरोड़ा, संध्या, नीतू कुमारी, सब इंस्पेक्टर मनीषा कुमारी, जीव लाल राम, मो सहजाद, मन्नु कुमार,झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के बिनोद महतो, सीता कुमारी, नइमुद्दीन अंसारी, दीपा रवानी, गुलनाज बानो एवं बेबी प्रियंका आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस बचाओ जिला अध्यक्ष हटाओ के नारों के साथ विक्षुब्ध कांग्रेसियों ने कैंडल मार्च निकाला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिलाध्यक्ष संतोष सिंह से नाराज विक्षुब्ध कांग्रेसियों ने कैंडल मार्च निकालकर जिला अध्यक्ष के प्रति अपनी नाराजगी जताई। कांग्रेस बचाओ जिला अध्यक्ष हटाओ के नारे भी लगे। कांग्रेसी बड़ी संख्या में इसमें शामिल हुए। कांग्रेस नेता राजेश्वर सिंह यादव ने बताया कि असंतुष्ट कोंग्रेसियों के मामले में शीर्ष नेतृत्व के द्वारा गठित दो सदस्यीय जाँच टीम धनबाद पहुंची थी। सर्किट हाउस में जांच टीम से मुलाकात नहीं होने पर सभी विक्षुब्ध कांग्रेसी गाँधी सेवा सदन में घंटो टीम के आने का इन्तजार करते रहे। टीम के नहीं आने पर कैंडल मार्च निकालकर अपना आक्रोश व्यक्त किया गया। उन्होंने बताया कि संतोष सिंह के जिला अध्यक्ष पद पर रहने से कांग्रेस पार्टी कमजोर स्थिति में पहुंच गई है। लगातार लोक सभा विधानसभा और मेयर चुनाव में भी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। वहीं मनोज सिंह ने कहा कि हम सभी कांग्रेस के सच्चे सिपाही हैं। वर्तमान जिला अध्यक्ष को पद मुक्त कराने तक आंदोलन जारी रखेंगे। मौके पर रविरंजन सिंह, राजेश्वर सिंह यादव, मनोज सिंह, माधो सिंह, सरजू शर्मा, हुमायूं राजा, बबलू दास, प्रीतम रवानी, बैभव सिन्हा, अशोक लाल, रत्नेश यादव, माला झा एवं अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

कोयला मंत्रालय के उप सचिव ने बीसीसीएल के सीवी एरिया का निरीक्षण किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कोयला मंत्रालय के उप सचिव रॉबिन गांगटे ने बीसीसीएल की कोलियरी का निरीक्षण किया। वे सीवी एरिया चांच यूजी एवं लाईकडीह डीप यूजी माइंस तथा सीएमपीडीआई एक्सप्लोरेशन साइट, लाईकडीह डीप का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण टेम्परेरी माइन क्लोजर प्लान (टीएमसीपी) के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा के उद्देश्य से किया गया। दौरे के क्रम में सर्वप्रथम सीवी एरिया कार्यालय में टीएमसीपी के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई। इस दौरान माइन क्लोजर से संबंधित विभिन्न पहलुओं तथा कार्यों की वर्तमान प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। साथ ही टीएमसीपी के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समयबद्धता, गुणवत्ता मानकों तथा निगरानी तंत्र पर भी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।इसके उपरांत टीम द्वारा अमलगमेटेड चांच यूजी एवं लाईकडीह डीप यूजी माइंस का स्थल निरीक्षण कर माइन क्लोजर से संबंधित विभिन्न कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान टेम्परेरी माइन क्लोजर प्लान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। कहा कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए। दौरे के अंतिम चरण में सीएमपीडीआई एक्सप्लोरेशन साइट, लाईकडीह डीप का निरीक्षण किया गया, जहाँ संचालित अन्वेषण कार्यों का अवलोकन करते हुए भविष्य में खदान संचालन की संभावनाओं एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया गया। उप सचिव रॉबिन गांगटे ने कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए माइन क्लोजर से संबंधित गतिविधियों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के निर्देश दिए।इस अवसर पर महाप्रबंधक, सीवी एरिया, संजय कुमार सिंह, टीएस टू डीटी (पीपी) संजय सिंह, अतिरिक्त महाप्रबंधक शांतनु चक्रवर्ती, ओएसडी, सीसीओ, धनबाद श्री बी. एन. पंडित, एक्टिंग आरडी, आरआई-2 श्री पार्थ दास, बीसीसीएल की एचओडी (पर्यावरण) मारिया अहसान, उपप्रबंधक (पर्यावरण) आदर्श कुमार, डीबीओसीपी के प्रोजेक्ट ऑफिसर चिरंजीब मुखर्जी, सीएमपीडीआई के एचओडी (पर्यावरण) वैभव कुमार, एरिया मैनेजर (पर्यावरण) प्रदुमन कुमार शाह, एचओडी (भूविज्ञान), सीएमपीडीआई आरसी अधिकारी, एरिया मैनेजर (ई एंड एम) अशोक कुमार भुनिया तथा एरिया मैनेजर (सिविल) विशाल कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

13-06-2026 T.P. Page 4_Layout 1 13-06-2026 06:41 Page 1

संक्षिप्त खबरें

रफ्तार का कहर, एक की मौत, तीन घायल

टूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : भंडरा में रफ्तार के कहर से एक युवक की मृत्यु हो गई।तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है। दो अलग-अलग घटना में एक की मौत एवं तीन गंभीर रूप से घायल है। भंडरा से भंवरो जाने वाली सड़क में सोरांडा मोड़ के पास तेज रफ्तार पिकअप वाहन मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को मोटरसाइकिल सहित कुचल दिया।जिससे मोटरसाइकिल में सवार दो युवकों में से एक युवक अमर उरांव उम्र 18 वर्ष पिता विश्राम उरांव नौडीहा गांव निवासी की मृत्यु घटनास्थल पर ही हो गई।अरुण उरांव उम्र 17 वर्ष पिता लक्ष्मण उरांव नोडिहा गांव निवासी गंभीर रूप से घायल हो गया।दोनों को थाना प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता के द्वारा उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया गया।जहां डॉक्टर ने अमित उरांव को मृत घोषित कर दिया।जबकि अरुण का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है।घटना के संबंध में बताया जाता है। पिकअप वाहन तेज रफ्तार से भंवरों की तरफ जा रहा था।भंवरों की तरफ से आते हुए मोटरसाइकिल सवार युवकों को पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल सहित कुचल दिया। कुचलने के बाद पिकअप वाहन भंवरों की तरफ भागने लगा। भागते हुए पिकअप वाहन को भंवरो गांव के ग्रामीण रोडबाजी कर रुकवाये।ग्रामीणों का उग्र रूप देख पिकअप वाहन चालक यहां से पिकअप वाहन छोड़कर फरार हो गया।पुलिस के द्वारा पिकअप वाहन को जप्त कर भंडरा थाना ले आया गया है।एक अन्य घटना के अनुसार भंडरा से बेड़ों सड़क में नवडीहा मोड़ के पास सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।दोनों घायल लोगों को स्थानीय लोगों ने उठाकर उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया। जहां से उन्हें बेहतर इलाज हेतु रेफर कर दिया गया है।

डेढ लाख के शराब के साथ होटल मैनेजर व किराना दुकानदार गिरफ्तार

टूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बालीडीह थाना क्षेत्र के रेलवे फाटक के समीप लाइन होटल व एक किराना दुकान में शराब की अवैध बिक्री की जानकारी थाना को मिली।सूचना पर मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार ने एक छापेमारी टीम का गठन किया। टीम लीडर नवीन कुमार सिंह ने गुरूवार की मध्य रात्रि को विशेष छापेमारी अभियान चलाया।इस दौरान अमर लाइन होटल व सुमित्रा जेनरल स्टोर से लगभग डेढ लाख की शराब जब्त की गयी।साथ ही होटल मैनेजर अविनाश सिंह व स्टोर संचालक सुरज कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।मुख्यालय डीएसपी श्री कुमार व इंस्पेक्टर श्री सिंह ने बताया कि पूछताछ के बाद दोनों अभियुक्तों के निशानदेही पर शराब के विभिन्न ब्रांड के 264 बोतल व बियर की 101 बोतल व केन बियर बरामद की गयी। शराब बरामद करने के बाद दोनों अभियुक्तों से शराब के वैध कागजात की मांग की गयी। लेकिन किसी तरह की कोई कागजात प्रस्तुत नही किया गया।दोनों को जेल भेज दिया गया. गिरफ्तारी अभियुक्तों में बालीडीह थाना क्षेत्र के अमर फैमिली ढाबा रेल फाटक निवासी अविनाश सिंह व बालीडीह थाना क्षेत्र के रेल फाटक नियर हनुमान मंदिर झोपडी निवासी सूरज सिंह शामिल है।छापामारी दल में बालीडीह थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह, पुअनि जितेंद्र कुमार यादव, पुअनि अजय कुमार राय, सअनि बलदेव यादव, हवलदार शोभापति नंद मिंज, आरक्षी मरियानुस जोजो आदि थे।

गायब नाबालिग सात दिन बाद ओडिसा से बरामद, अपहरण की बात अफवाह

टूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बालीडीह थाना क्षेत्र से छह जून को ट्यूशन पढने निकला गायब एक नाबालिग को बालडीह पुलिस ने ओडिसा से बरामद कर शुक्रवार को बोकारो पहुंची।नाबालिग सुरक्षित है।उसका अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि खुद की मरजी से घूमने चला गया था। बोकारो स्टेशन से ट्रेन बदलते-बदलते ओडिसा पहुंचा था।पुलिस ने टेक्निकल सेल व रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बालक को खोजने में सफल हुई। बोकारो एसपी नाथू सिंह मीणा, मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार व सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने नाबालिग की बरामदगी को एक सफल अभियान माना है।अभिभावकों को बच्चों को लेकर सतर्कता बरतने की अपील की है।इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह ने बताया कि छह जून को गोपाल भगत ने अपने नाबालिग नाती के गायब होने की जानकारी दी।थाना में कांड संख्या 101/26 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर चार टीम का गठन किया गया। टीम के नेतृत्वकर्ता इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह, पुअनि चन्द्रदेव कुमार, पुअनि नित्यानंद भोक्ता व पुअनि फागू राम उरांव ने जांच शुरू किया।बोकारो, मूरी, धनबाद, चंद्रपुरा, गोमो, गया (बिहार) सहित कई स्थानों पर गए। स्थानीय थाना के सहयोग से सीसीटीवी फुटेज जांच की।जांच में पता चला कि नाबालिक ओडिसा के पूरी में है।इसके बाद टीम ओडिसा पहुंची। नाबालिग को बरामद कर वापस लाया।सीसीटीवी फुटेज के जांच में पता चला कि नाबालिग बोकारो रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ कर मूरी चला गया।मुरी में कुछ समय बिताने के बाद पुनः बोकारो आया। पुनः धनबाद की ओर जाने वाली ट्रेन में बैठ कर चला गया।धनबाद में अगले दिन दूसरी ट्रेन में बैठकर रवाना हो गई।पुनः बिहार के गया से ट्रेन पकड़ कर ओडिसा के पूरी चला गया। यह मामला अपहरण नहीं था।नाबालिग के अनुसार घूमने के नियत से घर से बिना किसी को कुछ बताये निकल गया था।टीम में सअनि उमेश कुमार, आरक्षी किशोर कुमार, प्रवीण कुमार शामिल थे।

हजारीबाग से सात, राज्य स्तर पर जल संसाधन विभाग के 118 लेखा कर्मियों का स्थानांतरण

टूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : झारखंड के जल संसाधन विभाग के अलग-अलग कार्यालयों में लंबे समय से एक स्थान और एक जिले में लंबे समय से जमे 118 कर्मियों का स्थानांतरण किया गया है।इसमें हजारीबाग जिले से सात में छह का स्थानांतरण दूसरे जिला किया गया है।वहीं, एक लेखा लिपिक सुधीर कुमार सिंह का स्थानांतरण जिले के अंदर ही किये जाने पर सवाल उठे हैं।इतना ही नहीं स्थानांतरण के दो सप्ताह से अधिक समय बीत गया है।सुधीर कुमार सिंह अपने कार्यस्थल पर बने हुए है। इस पर शुक्रवार को कार्यपालक अभियंता बलराम मुर्मू ने कहा एक-दो दिनों में सुधीर कुमार को रिलिभ किया जायेगा। बता दें कि स्थानांतरण एवं पदस्थापन से संबंधित सूची बीते दिनों 29 मई को जारी हुई है। विभागीय स्तर पर सरकार के अवर सचिव विनोद कुमार के हस्ताक्षर से सूची जारी हुई है।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के नामांकन को लेकर जिला स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित

टूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में विशेष नामांकन अभियान को लेकर जिला स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में दिव्यांग एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों की भूमिका एवं कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।उपायुक्त ने कहा कि जिले में 15 से 24 जून 2026 तक विशेष नामांकन अभियान चलाया जाएगा। विद्यालयों द्वारा अपने-अपने पोषक क्षेत्रों में 3 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का सर्वेक्षण किया गया है। सर्वेक्षण के दौरान चिन्हित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन विद्यालयों में सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी दिव्यांग बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और इसी उद्देश्य से यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। विद्यालयों में नामांकन की प्रक्रिया 21 से 24

जून तक चलेगी।

बैठक में अभियान की चरणबद्ध कार्ययोजना की समीक्षा की गई। इस-के तहत 16 जून को प्रखंड स्तर पर बैठक कर रणनीति तैयार की जाएगी, जबकि 17 जून को विद्यालय, पंचायत, आंगनबाड़ी केंद्र एवं पंचायत सचिवालय स्तर पर दिव्यांग बच्चों की सूची तैयार की जाएगी। 18 एवं 19 जून को जिला और प्रखंड स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा।उपायुक्त ने विद्यालयों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की भी समीक्षा की। इस दौरान रैंप, हैंड्रिल युक्त रैंप, दिव्यांग अनुकूल शौचालय एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। जिन विद्यालयों में ये सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में दिव्यांग बच्चों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं जैसे एस्कॉर्ट एवं ट्रांसपोर्ट भत्ता, रीडर भत्ता तथा गृह आधारित शिक्षण की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन पात्र बच्चों को इन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल रहा है, उन्हें शीघ्र लाभान्वित किया जाए।चिन्हित दिव्यांग बच्चों के यूड-ीआईडी कार्ड निर्माण के लिए सिविल सर्जन को विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया गया। वहीं समाज कल्याण विभाग, पंचायती राज विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई को 3 से 18 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे बच्चों की पहचान करने का निर्देश दिया गया, जो अब तक विद्यालयों में नामांकित नहीं हैं।

सीएसीपी की सुनवाई आयोग अध्यक्ष ने कहा : किसानों की समृद्धि के लिए उपज का वैल्यू एडिशन जरूरी

टूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) ने शुक्रवार को राजधानी में पांच राज्यों (झारखंड, बिहार, प बंगाल, छत्तीसगढ़ और ओड़िशा) में वित्तीय वर्ष 2026-27 के रबी फसल के समर्थन मूल्य को लेकर सुनवाई की।इसमें पं बंगाल छोड़ सभी राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बंगाल के प्रतिनिधि ऑन लाइन शामिल हुआ। झारखंड ने इसमें गेहूं के लिए 3759 रुपये समर्थन मूल्य की मांग की।चना के लिए 5927 तथा मसूर के लिए 7059 रुपये की मांग की। मौके पर आयोग के अध्यक्ष ए गणेश कुमार ने सभी राज्यों का पक्ष सुनने के बाद कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करने का एक प्रक्रिया है।उसी के तहत एमएसपी तय होता है. पूर्वी राज्यों की समस्या कुछ अलग है। यहां ग्रामीण क्षेत्र अभी भी बहुत समृद्ध नहीं है। कृषि उत्पादों के वैल्यू एडिशन की सुविधा नहीं है।कुछ गांवों को मिलाकर वैल्यू एडिशन की सुविधा विकसित की जा सकती है।इससे किसान समृद्ध होंगे। गांवों को सड़क, परिवहन आदि की सुविधा से जोड़ना होगा। गांव के उत्पादों की ब्रांडिंग होनी चाहिए. इससे किसानों के उत्पाद अधिक मूल्य के हो जायेंगे।गांव में ही उद्यम विकसित करना होगा।मौके पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबु बक्कर सिद्दीख ने कहा कि कृषि के मामले में झारखंड को अन्य राज्यों के नजरिये से देखने की जरूरत नहीं है।इसके लिए अलग नजरिया होना चाहिए।झारखंड बदल रहा है। किसानों को समृद्ध करने के लिए चल रही राज्य और केंद्र की योजनाओं का संचालन भी बेहतर हो रहा है।इसके बावजूद मैकनाइजेशन में राष्ट्रीय औसत से कम है। सिंचाई की सुविधा भी 20 से 25 फीसदी जमीन पर ही है।राज्य में अलग-अलग क्षेत्र की अलग-अलग समस्या है। अपने खर्च से राज्य सरकार किसानों को सोलर पंप दे रही है।बीएयू के वैज्ञानिक डॉ एस कर्मकार ने कहा कि यहां रागी का उत्पादन तो रहा है। लेकिन, बाजार नहीं मिला तो मिलेट मिशन पर असर पड़ेगा। डॉ बीके झा ने कहा कि जितने एमएसपी की मांग हो रही है, वह तो वर्तमान मुद्रास्फिति से होने वाली कमी को भी पूरा नहीं कर पायेगी। डॉ डीके रुसिया ने कहा कि झारखंड की टोपोग्राफी अलग है।इस कारण किसानों को उपज की लागत अधिक हो जाती है।मौके पर समेति के निदेशक विकास कुमार ने झारखंड का पक्ष रखा। स्वागत भाषण कृषि निदेशक बिद्यानंद शर्मा पंकज ने किया। मौके पर बिहार, झारखंड, ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के प्रगतिशील किसानों ने भी विचार रखा।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

टूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शुक्रवार को मेदिनीनगर स्थित टाउन हॉल में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर-2026 को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में डालटनगंज, विश्रामपुर, हुसैनाबाद और छत्तरपुर के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, विभिन्न सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सभी बीएलओ सुपरवाइजर समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में हम सभी को जीरो एरर नीति के तहत कार्य करना है। यह विशेष रूप से सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं तथा कोई भी अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो।समीक्षा के दौरान विभिन्न निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत बीएलओ सुपरवाइजर से पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण के साथ मतदाताओं का मिलान, डाटा प्रविष्टियों का सत्यापन एवं विलोपन, प्रपत्र संग्रहण एवं निष्पादन, मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन तथा एएसडीडी सूची तैयार करने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। संबंधित पदाधिकारियों को सभी कार्यों को गंभीरता एवं सतर्कता के साथ निष्पादित करने का निर्देश दिया गया।ज्ञात हो कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 20 जून से पलामू जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा।

रेलवे ट्रैक पर बरामद गोमिया के तीन युवकों के शव मामले की सीआइडी ने शुरू की जांच

टूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : राधागांव रेलवे स्टेशन के समीप लावाटांड क्षेत्र के रेलवे ट्रैक से चार जून की सुबह तीन युवकों का क्षत विक्षत शव बरामद किया गया था। मृत युवकों के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए जीआरपी थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी।इसके बाद संदिग्धावस्था में मिले युवकों के शव मामले की जांच जीआरपी बोकारो थाना प्रभारी अमरेंद्र कोटवार की टीम कर रही थी।मामले में नौ जून को सीआइडी की इंट्री हो गयी।नौ जून को जांच संबंधी सभी कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद केस को सीआइडी ने हैंडओवर ले लिया। इसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। 10 से 12 जून के बीच सीआइडी की टीम लगातार रेलवे ट्रैक के साथ-साथ आसपास के गांव में पूछताछ कर रही है। साथ ही युवकों के मोबाइल का लोकेशन व सीड-ीआर पर भी जांच शुरू कर दिया गया है। पता किया जा रहा है कि तीनों युवक किसके बुलावे पर गोमिया से

बोकारो आये थे। राधागांव स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक पर कैसे पहुंचे।घटनास्थल तक बाइक कैसे पहुंची. साथ ही शव के पास शराब की बोतल किसने रखी।सीआइडी की टीम जीआरपी बोकारो थाना प्रभारी श्री कोटवार से भी मुलाकात कर चुकी है।चार जून की सुबह जीआरपी ने राधानगर पंचायत के समीप लावाटांड़ क्षेत्र में रेलवे ट्रैक से तीन युवकों के शव क्षत विक्षत अवस्था में बरामद किया था। घटनास्थल के समीप से एक मोटरसाइकिल व शराब की कुछ बोतल भी मिली थी। घटना बोकारो रेलवे स्टेशन से लगभग नौ किलोमीटर दूर स्थित रेलवे ट्रैक पर घटी थी।जीआरपी थाना प्रभारी अमरेंद्र कोटवार के अनुसार तीनों मृत युवक गोमिया का रहनेवाला था।पहचान 20 से 25 वर्ष के बीच बबलू सोरेन, दीपक सोरेन व बाबूराम मुर्मू के रूप में की गयी थी। सभी मृत युवक गोमिया प्रखंड के मडवाडीह टीकाहारा बडकीपुनु गांव निवासी थे।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जीआरपी डीएसपी जयश्री कुजूर ने भी घटनास्थल का दौरा किया था।परिजनों के आवेदन पर जीआरपी थाना में हत्या का मामला दर्ज किया गया था।

दीपक प्रकाश भाजपा के समर्पित नेता, टिकट मिलता तो जीत जाते : डॉ इरफान अंसारी

टूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने राज्यसभा सांसद व भाजपा नेता की जमकर तारीफ किया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान ने कहा है कि मैंने हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर झारखंड और यहां के स्थानीय नेताओं का सम्मान किया है। मैंने खुलकर अपनी बात रखी है। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व सांसद दीपक प्रकाश का हृदय से सम्मान करता हूं।वह पार्टी के समर्पित नेता हैं। दीपक प्रकाश जैसे सर्वमान्य, अनुभवी और संघर्षशील नेता पर भरोसा जताते, तो उनकी जीत सुनिश्चित होती।दीपक प्रकाश का झारखंड में भाजपा को खड़ा करने, संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने और पार्टी को मजबूत बनाने में ऐतिहासिक भूमिका रही है।उन्होंने अपना पूरा जीवन भाजपा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि आज कुछ भाजपा नेता जिस उत्साह ढोल नगाड़े के साथ बाहरी उद्योगपति उम्मीदवार के स्वागत में लगे हुए हैं, उसे देखकर मन

व्यथित होता है। क्या वर्षों तक पार्टी के लिए संघर्ष करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं का सम्मान इसी तरह भुला दिया जायेगा।राजनीति केवल धनबल से नहीं, बल्कि त्याग, संघर्ष और समर्पण से चलती है। भाजपा के नेताओं से कहना चाहता हूँ कि अपने ही नेताओं के योगदान का सम्मान करना सीखिए, जो जिंदगी पार्टी के लिए खड़ा रहा, कठिन परिस्थितियों में संगठन को संभाला, उसका सम्मान सबसे पहले होना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड के स्वाभिमान और स्थानीय नेतृत्व के सम्मान की आवाज उठाता रहूंगा।मैं कांग्रेस में हूं, फिर भी जहां किसी स्थानीय नेता के सम्मान की बात होगी, वहां मैं बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के उसके पक्ष में खड़ा रहूंगा।

जमीन विवाद और जादू-टोना के शक में हुई थी पति -पत्नी की हत्या, 7 आरोपी गिरफ्तार

टूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : मधुबन थाना क्षेत्र के दलानचकरी टोला तिरिलटाँड में 02/03 जून की रात हुए पति-पत्नी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।पुलिस ने मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी मृतकों के ही परिवार के सदस्य हैं। अज्ञात अपराधियों ने पतिया हांसदा और उसकी पत्नी परसनी देवी पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई थी।इस संबंध में मधुबन थाना में कांड संख्या 06/26, धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।एसपी डॉ. बिमल कुमार ने मामले की गंभीरता देखते हुए डुमरी एसडीपीओ आबिद खान के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। मानवीय और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच में सामने आया कि भूमि विवाद और जादू-टोना का आरोप लगाकर हत्या की साजिश रची गई थी।पुलिस के अनुसार रमेश हांसदा, पाण्डु हांसदा और विजय हांसदा ने धारदार हथियार से हत्या की।वहीं दोमा हांसदा, बबलु हांसदा, मोती हांसदा और सिकरा हांसदा ने सहयोग किया।सभी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है।पुलिस ने इस हत्याकांड में एक गुलाबी सूती गमछा, एक लोहे की तलवार, दो लोहे के छुरे, काला जींस, उजला हाफ टी-शर्ट और दो गमछे बरामद किए हैं।बरामद कपड़ों पर खून जैसे धब्बे पाए गए हैं. गिरफ्तार आरोपियों में रमेश हांसदा, पिता स्व. कर्मा हांसदा, पाण्डु हांसदा, पिता स्व. मंजु हांसदा, विजय हांसदा, पिता स्व. केला हांसदा, दोमा हांसदा, पिता स्व. चुचका हांसदा, बबलु हांसदा, पिता स्व. मंजु हांसदा, मोती हांसदा, पिता स्व. मंजु हांसदा, सिकरा हांसदा, पिता स्व. मंजु हांसदा सभी ग्राम दलानचकरी, जाहेर टोला, थाना मधुबन निवासी शामिल है।छापामारी दल में डुमरी एसडीपीओ आबिद खान, अंचल निरीक्षक पूर्णेन्द्र प्रसाद महतो, थाना प्रभारी मधुबन दीपेश कुमार, खुखरा थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार सिंह, पीरटाँड प्रभारी जितेन्द्र सिंह बिष्ट समेत तकनीकी शाखा और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

राज्यपाल से मिला त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधिमंडल

टूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघ के अध्यक्ष विकास कुमार महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल लोकभवन में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को झारखंड पंचम राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के आलोक में जिला परिषदों, पंचायत समितियों एवं ग्राम पंचायतों को आवंटित अनुदान राशि से योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित विषय पर ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए झारखंड पंचम राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के आधार पर पंचायती राज विभाग द्वारा जिला परिषदों, पंचायत समितियों एवं ग्राम पंचायतों को निर्धारित अनुपात में राशि आवंटित की गई है, लेकिन योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक विस्तृत मार्गदर्शिका अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई है। जिसके कारण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं।प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से अनुदान मद के अंतर्गत आवंटित राशि से योजनाओं के सुचारु एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक मार्गदर्शिका शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए पहल करने का आग्रह किया।

एबीडी का आइकॉनिक व्हाइट लगातार तीसरे वर्ष वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष पर

टूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) के आइकॉनिक व्हाइट को ड्रिंक्स इंटरनेशनल की मिलियनेयर्स क्लब 2026 रिपोर्ट में लगातार तीसरे वर्ष दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला मिलियनेयर व्हिस्की ब्रांड घोषित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली व्हिस्की रही और सभी श्रेणियों में दूसरी सबसे तेजी से बढ़ने वाली ब्रांड के रूप में उभरी। 2023 में मिलियनेयर्स क्लब में शामिल होने के बाद से आइकॉनिक व्हाइट ने हर कैलेंडर वर्ष में अपनी बिक्री की मात्रा

को दोगुने से भी अधिक बढ़ाया है, जिसे रिपोर्ट में एक ह्लइतिहास रचने वालीह्व उपलब्धि बताया गया है। एबीडी के प्रबंध निदेश-ाक अमर सिन्हा ने कहा कि लगातार तीसरे वर्ष यह पहचान मिलना ब्रांड के प्रति उपभोक्त-ाओं के मजबूत जुड़ाव और भरोसे को दशार्ता है, जबकि ऑफिसर्स चॉइस और स्टर्लिंग रिजर्व की निरंतर उपस्थिति कंपनी के पोर्टफोलियो की मजबूती को रेखांकित करती है। कंपनी के अनुसार मई 2026 में आइकॉनिक व्हाइट ने एक ही महीने में 10 लाख से अधिक केसेस की बिक्री का आंकड़ा पार कर अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की। रिपोर्ट में एबीडी के प्रमुख ब्रांड ऑफिसर्स चॉइस को दुनिया का सातवां सबसे बड़ा स्पिरिट ब्रांड और वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा व्हिस्की ब्रांड बताया गया है, जबकि स्टर्लिंग रिजर्व ने भी दुनिया के शीर्ष 25 मिलियनेयर व्हिस्की ब्रांडों में अपनी जगह बरकरार रखी है। कंपनी का कहना है कि लगातार तीन वर्षों से उसके तीनों प्रमुख ब्रांड मिलियनेयर्स क्लब में शामिल रहे हैं, जो उसके पोर्टफोलियो की मजबूती और बढ़ती वैश्विक पहचान को दशार्ता है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्य पार्षद ने डीएम से की 200 केवीए ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग

ओवरलोड ट्रांसफॉर्मर बना मुसीबत, बिजली संकट से जूझ रहे रूपीनवासी

लो-वोल्टेज के कारण पानी की मोटर, कूलर और अन्य उपकरण हो रहे प्रभावित

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : नगर पंचायत फतेहपुर के स्टेशन रोड स्थित प्रखंड कार्यालय के समीप लगाए गए 100 केवीए विद्युत ट्रांसफॉर्मर पर बढ़ते भार के कारण क्षेत्र के लोगों को लगातार लो-वोल्टेज और बिजली आपूर्ति की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। समस्या की गंभीरता को देखते हुए नगर पंचायत के मुख्य पार्षद रवि कुमार ने जिला पदाधिकारी गया को पत्र भेजकर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता बढ़ाने की मांग की है।मुख्य पार्षद ने अपने पत्र में कहा है कि वर्तमान में लगा 100 केवीए ट्रांसफॉर्मर क्षेत्र की बढ़ती विद्युत आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम नहीं रह गया है। अत्यधिक लोड के कारण बिजली का वोल्टेज लगातार कम हो रहा है, जिससे घरों में लगे पानी के मोटर, पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण सुचारु रूप से काम नहीं कर पा रहे हैं। इसका सीधा असर लोगों की दैनिक दिनचर्या और आवश्यक सुविधाओं पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि गर्मी के इस मौसम में बिजली और पेयजल दोनों की समस्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। कम वोल्टेज के चलते पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है, जिससे स्थानीय निवासियों में नाराजगी बढ़ रही है।जनहित को देखते हुए मुख्य पार्षद ने जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देकर मौजूदा 100 केवीए ट्रांसफॉर्मर को 200 केवीए ट्रांसफॉर्मर से प्रतिस्थापित कराया जाए। उनका कहना है कि इससे क्षेत्रवासियों को बेहतर वोल्टेज के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी और लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा।

पुलिस की घेराबंदी देख जंगल की ओर भागे तस्कर, 590 लीटर देसी-विदेशी शराब जब्त

धनछु पुलिया के पास की गई कार्रवाई, चार बाइक पर लदी शराब बरामद

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) :गुरपा थाना क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। धनछु गांव स्थित पुलिया के समीप से पुलिस ने 590 लीटर देसी एवं विदेशी शराब के साथ चार मोटरसाइकिल जब्त की हैं। हालांकि पुलिस की घेराबंदी देख तस्कर वाहन छोड़कर जंगल का लाभ उठाते हुए फरार हो गए। थानाध्यक्ष शिवनंदन कुमार ने बताया कि क्षेत्र में नियमित गश्त और निगरानी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सूचना मिली कि झारखंड क्षेत्र से शराब की खेप धनछु के रास्ते लाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजकर घेराबंदी की गई। पुलिस बल को देखते ही तस्कर शराब लदी बाइक छोड़कर जंगल की ओर भाग निकले। जब्त वाहनों की तलाशी लेने पर करीब 530 लीटर देसी शराब एवं 60 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। कुल 590 लीटर अवैध शराब और तस्करी में प्रयुक्त चार मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया गया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में गुरपा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही फरार तस्करों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में शराब तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है।

फतेहपुर व टनकुप्पा प्रखंड में 17-18 जून को लगेगा जनकल्याण शिविर

लाभुकों को एक ही छत के नीचे मिलेंगी सरकारी योजनाओं की सुविधाएं

केंद्र व राज्य सरकार की 17 से अधिक कल्याणकारी योजनाओं का होगा लाभ वितरण व ऑन-द-स्पॉट निबटारा

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से फतेहपुर और टनकुप्पा प्रखंडों में 17 एवं 18 जून को दो दिवसीय प्रखंड सहयोग-सह-जन-कल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में आम लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस संबंध में जिला पदाधिकारियों द्वारा आदेश जारी कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। फतेहपुर बीडीओ शशिभूषण साहू और टनकुप्पा बीडीओ अलीशा कुमारी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक सुनिश्चित रूप से पहुंचाना है। शिविर में आयुष्मान भारत योजना, 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, ग्राम परिवहन योजना, स्वयं सहायता भत्ता योजना सहित 17 से अधिक योजनाओं से जुड़े आवेदन, निबंधन, ई-केवाईसी, सत्यापन एवं लाभ वितरण का कार्य किया जाएगा।अधिकारियों ने बताया कि शिविर में प्रत्येक योजना के लिए अलग काउंटर और नोडल पदाधिकारी की व्यवस्था रहेगी। लाभार्थियों के मार्गदर्शन के लिए हेल्प डेस्क तथा स्वास्थ्य जांच के लिए मेडिकल स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ लाभार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले और विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा सकें।

वेतन नहीं मिलने से एमबीए विभाग के कर्मचारी बेहाल

भागलपुर, (एजेंसी) : तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के एमबीए विभाग में कार्यरत टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ पिछले 10 महीनों से मानदेय नहीं मिलने के कारण गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि नियमित आय बंद होने से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है और बच्चों की पढ़ाई तक प्रभावित हो रही है। विभाग के फैकल्टी सदस्य डॉ. पंकज कुमार, डॉ. हारिश कुमार, ब्यूटी कुमारी, डॉ. काजी कमरान तथा कर्मचारी डॉ. आशीष कुमार और पंकज चौधरी ने बताया कि कई बार मानदेय भुगतान की मांग उठाने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। उनका कहना है कि वे भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं और परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा है।

कर्मचारियों के अनुसार, जब वे अपनी समस्या लेकर विभागीय निदेशक के पास जाते हैं तो उन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है। बताया जा रहा है कि एमबीए विभाग की आय-व्यय, मानदेय भुगतान और सेवा अवधि विस्तार को लेकर गठित जांच समिति ने फरवरी में ही अपनी रिपोर्ट प्रभारी कुलपति को सौंप दी थी।

बिहार पंचायत चुनाव 2026: पहली बार सभी पदों पर ईवीएम से होगा मतदान, 21 जून को जारी हो सकता है अंतिम गजट

पटना, (एजेंसी) : बिहार में प्रस्तावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग और प्रशासनिक विभाग चुनावी प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने में जुटे हैं। चूँकि पंचायत चुनाव को ग्रामीण लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। ऐसे में आयोग की कोशिश है कि हर मतदाता बिना किसी दबाव और भय के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। इस बार पंचायत चुनाव की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि राज्य के सभी पंचायत पदों पर पहली बार पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के जरिए मतदान कराया जाएगा। इसके साथ ही बिहार उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो जाएगा, जहां पंचायत स्तर तक चुनाव प्रक्रिया को डिजिटल और अधिक पारदर्शी बनाया जा रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, चुनाव की तैयारियों के तहत सीटों के आरक्षण, परिसीमन और मतदान केंद्रों के पुनर्गठन का कार्य तेजी से चल रहा है। सभी जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं ताकि चुनाव से जुड़ी प्रक्रियाएं तय समय सीमा के भीतर पूरी की जा सकें।

पंचायत चुनाव में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने आरक्षण और परिसीमन से संबंधित दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अवधि बढ़ा दी है। अब नागरिक, जनप्रतिनिधि और संबंधित पक्ष 15 जून 2026 तक अपनी आपत्तियां और

सुझाव जमा कर सकेंगे। प्रशासन का कहना है कि प्राप्त सभी दावों और आपत्तियों की निष्पक्ष जांच की जाएगी। इसके बाद आवश्यक संशोधन कर अंतिम सूची तैयार की जाएगी। आयोग की ओर से 21 जून 2026 को पंचायत चुनाव से संबंधित अंतिम गजट प्रकाशित किए जाने की संभावना है। अंतिम गजट जारी होने के बाद चुनाव कार्यक्रम घोषित करने की प्रक्रिया शुरू होगी।

इस बार पंच, सरपंच, वार्ड सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य सहित सभी पदों के चुनाव ईवीएम के माध्यम से कराए जाएंगे। अब तक पंचायत चुनावों में मतपत्रों का उपयोग किया जाता था, लेकिन चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और विवादमुक्त बनाने के लिए आयोग ने यह बड़ा निर्णय लिया है। हालांकि, आयोग अभी ईवीएम की आपूर्ति का इंतजार कर रहा है। मशीनें उपलब्ध होने के बाद उनकी तकनीकी जांच, मॉक पोल और मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। अधिकारियों का मानना है कि ईवीएम के उपयोग से मतगणना में लगने वाला समय काफी कम होगा और परिणाम जल्दी घोषित किए जा सकेंगे।

पंचायत चुनाव को लेकर मतदान केंद्रों के गठन का कार्य भी शुरू हो चुका है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2021 के पंचायत चुनाव की तुलना में इस बार कई मतदान केंद्रों में बदलाव संभव है। बढ़ती जनसंख्या, मतदाताओं की संख्या और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए नए बूथ बनाए जा रहे हैं। कई स्थानों पर पुराने मतदान केंद्रों को स्थानांतरित करने की तैयारी भी चल रही है। साथ ही संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष सुरक्षा व्यवस्था की योजना बनाई जा रही है।

बहुद्रा गांव में कृषि चौपाल में किसानों को मिली आधुनिक खेती करने की जानकारी

कम लागत में अधिक उत्पादन के बताए गए तकनीकी उपाय

मृदा जांच, किसान आईडी कार्ड और प्राकृतिक खेती के लाभों पर विशेषज्ञों ने डाला प्रकाश

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड क्षेत्र के अतलीबारा पंचायत अंतर्गत बहुद्रा गांव के प्राथमिक विद्यालय परिसर में कृषि जन कल्याण चौपाल-सह-खेत बचाओ अभियान 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर खेती-किसानी से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।चौपाल में कृषि समन्वयक शत्रुघ्न सिन्हा व उदय भानु सिंह ने किसानों को कम खाद एवं सही खाद के उपयोग, मृदा जांच के महत्व, किसान आईडी कार्ड तथा प्राकृतिक खेती के लाभों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही किसानों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए। साथ ही किसानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर कृषि विशेषज्ञों ने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति से खेती अपनाकर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही मृदा परीक्षण के आधार पर उ-वर्रकों का प्रयोग करने से भूमि की उ-वर्रता बनी रहती है और फसल की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। चौपाल के माध्यम से किसानों को आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का संदेश भी दिया गया।

सुपौल में नाबालिग से दुष्कर्म मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

सुपौल, (एजेंसी) : जिले में पिपरा थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामले में पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।पुलिस के अनुसार, रतौली पंचायत के जरोली वार्ड संख्या 15 की एक नाबालिग के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किए जाने की लिखित शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया। जांच शुरू होते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी प्रकाश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पिपरा थानाध्यक्ष किशोर कुमार ने बताया कि इस मामले में कुल तीन लोगों को नामजद किया गया है। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।उन्होंने बताया कि पीड़िता से आवश्यक पूछताछ के बाद उसका बयान न्यायालय में दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस प्रशासन ने भी भरोसा दिलाया है कि मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीते एक दशक में देश और बिहार दोनों ने विकास का नया अध्याय लिखा है : मुख्यमंत्री

पटना, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बीते एक दशक में देश और बिहार दोनों ने विकास का नया अध्याय लिखा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जनसंघ काल से जो भी संकल्प देश के सामने रखा, उसे पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाना तथा अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी हुई हैं।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वर्ष 2004-05 से 2013-14 के दौरान बिहार को कर मद में लगभग 2.80 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे, जबकि पिछले 11-12 वर्षों में यह राशि बढ़कर लगभग 12.90 लाख करोड़ रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि जीएसटी और केंद्र सरकार की नीतियों से राज्य की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है और विकास को नई गति मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बिहार देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है, जहां गांव-गांव तक बिजली पहुंच चुकी है और ग्रामीण सड़क संपर्क में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। राज्य में ग्रामीण सड़कों की लंबाई लगभग 1.20 लाख किलोमीटर तक पहुंच चुकी है और 100 से अधिक आबादी वाले सभी टोलों को पक्की सड़क से जोड़ने का कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि देशभर में 50 लाख घरों तक सौर ऊर्जा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे लोगों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध हो रही है।

महादलित परिवार की बेटी ममता बनीं पैरामेडिकल प्रवेश परीक्षा में टॉपर

अनुसूचित जाति वर्ग में हासिल किया प्रथम स्थान, सामान्य वर्ग में भी आठवां रैंक प्राप्त कर बढ़ाया क्षेत्र का मान

शिक्षक चंदन कुमार ने आठ वर्षों तक निःशुल्क पढ़ाकर दिया सपनों को आकार

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : कठिन परिस्थितियां अगर हौसलों के रास्ते में खड़ी हों, तो मजबूत इरादे उन्हें भी पीछे छोड़ देते हैं। मजबूत इरादों के आगे गरीबी और अभाव हार मान लेट हैं। टनकुप्पा प्रखंड के भेटौरा पंचायत स्थित गोयनिया गांव की रहने वाली ममता कुमारी ने अपनी अद्भुत सफलता से इसी बात को साबित कर दिया है। महादलित भुईया समाज से आने वाली ममता ने पैरामेडिकल प्रवेश परीक्षा में अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग में टॉप कर एक नया इतिहास रच दिया है। इतना ही नहीं, उसने सामान्य वर्ग की मेरिट सूची में भी आठवां रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ममता के पिता सुरेंद्र मांझी बेहत साधारण और एक गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आते हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद ममता ने अपनी पढ़ाई जारी रखी और सफलता का नया अध्याय लिखा। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण पढ़ाई के दौरान उसे कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई बार संसाधनों की कमी उसके सपनों के आड़े आई, लेकिन उसने हार नहीं मानी। सीमित साधनों और संघर्षों के बीच लगातार मेहनत करती रहीं और अंततः सफलता का वह मुकाम हासिल कर लिया, जो आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गयी है।

ममता के पिता सुरेंद्र मांझी और माता रेशमी देवी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने बेटी की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। इसी का परिणाम है कि ममता ने इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में 435 अंक प्राप्त कर प्रथम श्रेणी से सफलता हासिल की और आगे की पढ़ाई जारी रखी।

गोयनिया गांव से बादिलबीघा तक प्रतिदिन करीब तीन किलोमीटर पैदल चलकर कोचिंग पहुंचने वाली ममता का लक्ष्य मेडिकल क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देना है। उनकी सफलता से परिवार, गांव, मित्रों और शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल है।ममता की इस उपलब्धि के पीछे उनके शिक्षक चंदन कुमार का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

गया जिला परिवहन विभाग ने राजस्व वसूली में वित्तीय वर्ष 2025-26 में बनाया नया कीर्तिमान

परिवहन विभाग ने निर्धारित लक्ष्य से डेढ़ गुना राजस्व संग्रह, राज्य स्तर पर मिली सराहना

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अधिकारियों और कर्मियों को किया गया सम्मानित

गया जी (एजेंसी) :जिला परिवहन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व संग्रह और कर वसूली के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विभाग ने निर्धारित लक्ष्य की तुलना में शत-प्रतिशत से कहीं अधिक करीब डेढ़ सौ फीसदी राजस्व अर्जित कर राज्य स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। बेहतर प्रवर्तन (इंफोर्समेंट) कार्यों और राजस्व वृद्धि में उत्कृष्ट योगदान के लिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित भी किया गया है।विभागीय आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिला परिवहन कार्यालय को 2097 लाख रुपये राजस्व संग्रह का लक्ष्य दिया गया था। इसके विरुद्ध विभाग ने करीब 3926 लाख रुपये से अधिक की राजस्व प्राप्ति कर लगभग डेढ़ सौ प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया। यह राशि वाहन कर, परमिट शुल्क तथा यातायात नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामलों में लगाए गए ई-चालान के माध्यम से प्राप्त हुई है। डीटीओ राजेश कुमार के नेतृत्व में विभाग ने राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करते हुए राज्य के राजस्व संग्रह में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभाग की इस उपलब्धि को बिहार में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों में गया जिला को पांचवे स्थान में शामिल किया गया है।

ओवरलोडिंग और बिना टैक्स वाले वाहनों पर चला अभियान

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस सफलता के पीछे डिजिटल और पारदर्शी कार्यप्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वाहन और सारथी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित किया गया जिससे कर भुगतान और विभिन्न परिवहन सेवाओं में आसानी हुई। इसके साथ ही ओवरलोडिंग करने वाले तथा बिना कर भुगतान के सड़क पर चलने वाले वाहनों के खिलाफ लगातार सख्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया। उत्कृष्ट कार्य निष्पादन और राजस्व वृद्धि में अहम योगदान देने के लिए मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) सुनील कुमार, अवर प्रवर्तन निरीक्षक राजीव कुमार तथा अशोक कुमार पासवान को विभाग की ओर से सम्मानित किया गया। डीटीओ राजेश कुमार ने इसे टीम वर्क का परिणाम बताते हुए भविष्य में भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

समीक्षा बैठक में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन पर दिया गया जोर

जिला परिवहन कार्यालय में गुरूवार को डीटीओ राजेश कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति, राजस्व संग्रह, प्रवर्तन गतिविधियों तथा लंबित मामलों की समीक्षा की गई। डीटीओ ने अधिकारियों और कर्मियों को निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश देते हुए उत्कृष्ट कार्य निष्पादन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही ऑनलाइन सेवाओं के बेहतर संचालन और राजस्व वृद्धि के लिए सभी कर्मियों को समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता बताई।

चान्हो पश्चिमी क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा, ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

चान्हो । चान्हो प्रखंड के पश्चिमी क्षेत्र के विभिन्न गांवों का जिला परिषद आदिल अजीम ने दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना। तथा उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में विकास कार्यों से जुड़ी कई समस्याओं से अवगत कराया।दौरे के क्रम में ग्रामीणों ने पतरातू पंचायत भवन के मरम्मत कार्य में अनियमितता की शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद जिला परिषद आदिल अजीम ने पंचायत भवन का निरीक्षण किया, जहां निर्माण कार्य में कई त्रुटियां पाई गईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जानकारी जिला अभियंता एवं जूनियर इंजीनियर को दी गई। इसके बाद संबंधित ठेकेदार को तत्काल कार्य बंद करने का निर्देश दिया गया और जांच पूरी होने तक मरम्मत कार्य स्थगित रखने को कहा गया।

हालांकि, ग्रामीणों द्वारा पुनः शिकायत की गई कि ठेकेदार अपनी कमियों को छिपाने के लिए जांच से पहले ही निर्माण कार्य करवा रहा है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराते हुए ठेकेदार के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की गई है।बताया गया कि पंचायत भवन मरम्मत कार्य की लागत 24 लाख 92 हजार 100 रुपये है। ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में मुखिया निधि से भी पंचायत भवन की मरम्मत कराई गई थी। ऐसे में सरकारी राशि का दुरुपयोग न हो तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों की सभी समस्याओं को हल करने की बात जिला परिषद आदिल अजीम ने किया। आदिल अजीम ने इस से संबंधित ठेकेदार, इंजिनियर आदि को गुणवत्ता का ध्यान रखने का निर्देश दिया। जिला परिषद आदिल अजीम ने कहा कि हम किसी भी हाल में अपने क्षेत्र में अनियमितता बर्दाश्त नहीं करें

संपादकीय

जेन-जी महंगाई और बेरोजगारी से परेशान, सपनों में जी रहा

पूरी दुनिया में जेन-जी की आबादी चिंता का कारण बनती चली जा रही है। यह युवा आबादी ना तो अपने परिवार के बारे में सोचती है, नाही समाज के बारे में सोचती है, यह केवल अपने बारे में सोचती है। इसके पास शिक्षा की डिग्रियां भी हैं, लेकिन डिग्री के अनुरूप ज्ञान नहीं है। जीवन जीने का कोई अनुभव नहीं है। वह कोई चीज सीखना भी नहीं चाहते हैं। किसी चीज से जुड़ते हैं और उसे जल्दी ही छोड़ देते हैं। उनका सबसे ज्यादा समय सोशल मीडिया और इंटरनेट पर बीत रहा है, जिसके कारण वह सामान्य ज्ञान से भी दूर होते चले जा रहे हैं। वर्तमान की जो युवा पीढ़ी है वह डिग्री लेकर बड़े-बड़े सपने देखती है लेकिन डिग्री के अनुरूप उसके पास ना तो कोई ज्ञान होता है नाही वह कोई काम करना चाहता है जिसके कारण यह युवा पीढ़ी एक बड़ी चिंता का कारण भी बन रही है। जेन-जी को ना तो वामपंथी विचारधारा पर विश्वास है ना ही उसे पूंजीवाद पर विश्वास है, वह पूरी तरह से सेल्फिश होकर केवल अपने बारे में सोचती है। उसे अपने परिवार और मां-बाप की कठिनाइयों से भी कोई सरोकार नहीं रहता है। वह जब भी बात करता है केवल अपने हित की बात करता है। वह अपने माता-पिता और परिवार से दूर रहकर केवल अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने परिवार से उतना ही जुड़ता है जो उसकी जरूरत पूरी करने के लिए जरूरी होती हैं। भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, यूरोपीय देश सभी में जेन-जी के इस बर्ताव से सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था में अब एक तनाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट आफ पॉलिटिक्स ने 2020 से 2025 के बीच जो सर्वे किया था उसमें यह बात खुलकर सामने आई कि इस युवा पीढ़ी को पूंजीवाद वामपंथ समाजवाद इत्यादि विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है। यह केवल अपनी जरूरत से जुड़कर ही अपनी बात रखता है। मेरा किराया कम करो, फीस माफ करो, मुफ्त बस सेवा दो, मुझे नौकरी दो, नौकरी भी सबसे अच्छी वाली चाहिए है, जिसमें बड़ा वेतन मिलता हो, कॉरपोरेट ऑफिस हो। इस तरह की मांग इस युवा पीढ़ी की होती है, लेकिन यह अनुभव प्राप्त करने के लिए अथवा जो भी नौकरी या रोजगार करना चाहता है जो उसके सपने में है उसके लिए वह अपने आपको तैयार भी नहीं कर रहा है। सोशल मीडिया के जरिए उसके सपने बड़े-बड़े हो गए हैं। सारी दुनिया में क्या हो रहा है यह उसे पता है लेकिन उसका केरियर कैसे बनेगा इसके बारे में वह जरा भी गंभीर नहीं है।

हमे भूत के बारे में पछतावा नही करना चाहिए,
ना ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए,
विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते है।
: चाणक्य

हम सभी एक दुसरे की मदद करना चाहते है,
मनुष्य ऐसे ही होते है, हम एक दुसरे के सुख
के लिए जीना चाहते है दुःख के लिए नहीं।
: चार्ली चेपलिन

फिर सुलग रही खाड़ी: होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

ईरान नें होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से केवल क्षेत्रीय नहीं वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका की संभावना?, इस जलमार्ग में व्यवधान का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बिल्कुल सही है कि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है।

साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय तेल विपणन कंपनियों की लागत बढ़ जाती है। यदि मौजूदा तनाव कुछ और दिनों या सप्ताहों तक बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लंबी अवधि तक ऊंचे तेल मूल्य बने रहने पर ईंधन की कीमतों में कई रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा।पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा हैं। डीजल की कीमत बढ़ने का अर्थ है कि ट्रकों, बसों और मालवाहक वाहनों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जब परिवहन महंगा होता है तो फल, सब्जियां, दूध, अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। यही कारण है कि तेल कीमतों में वृद्धि को अक्सर ह्यमहंगाई की जननीह्न कहा जाता है। एक बार यदि ईंधन लागत बढ़ती है तो उसका असर अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सटीकता से दिखाई देता है।

साथियों, 7 जून 2026 से मृग लग गया है व खेती के कार्य शुरू हो चुके हैं,कृषि क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में सिंचाई, कृषि मशीनरी और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और इसका असर खाद्यान्न कीमतों पर पड़ सकता है। इसके अलावा उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है तो उर्वरकों का उत्पादन भी महंगा हो सकता है।विमानन क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ सकता है। विमान ईंधन की लागत एयरलाइंस के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। यदि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में वृद्धि संभव है। इससे पर्यटन उद्योग, व्यापारिक यात्राओं और विमानन क्षेत्र की मांग पर असर पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए चिंता का एक और बड़ा विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्त्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्त्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्ति कताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिका से कदम उठा सकता है।

साथियों, सऊदी अरब,यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालांकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा।भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से बीमा लागत, माल ढुलाई शुल्क और शिपिंग समय में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही आपूर्ति व्यवधानों का अनुभव कर चुकी है; ऐसे में होर्मुज संकट नई चुनौतियां पैदा कर सकता है।

साथियों, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते हमले और समुद्री असुरक्षा वैश्विक व्यापार तथा भारतीय नागरिकों दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों, व्यापारिक जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए नई दिल्ली स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक समाधान का समर्थन कर रही है।वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह संकट कितने समय तक चलता है। यदि राजनयिक प्रयास सफल होते हैं और जलडमरूमध्य जल्द खुल जाता है तो तेल बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। लेकिन यदि सैन्य टकराव बढ़ता है या मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। तेल की कीमतें तीन अंकों तक पहुंच सकती हैं, महंगाई बढ़ सकती है और कई आयात- निर्भर देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7541

★★★✫☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7540 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

दैनिक पंचांग

13 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	वृष में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05.27 बजे से
कर्क	07.40 बजे से
सिंह	09.57 बजे से
कन्या	12.09 बजे से
तुला	14.19 बजे से
वृश्चिक	16.34 ब.से
धनु	18.50 बजे से
मकर	20.55 बजे से
कुंभ	22.42 बजे से
मीन	00.14 बजे से
मेष	01.45 बजे से
वृष	03.25 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 164 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 16.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 01.17 बजे रात्र को समाप्त।
योग सुकर्मा 17.29 बजे को समाप्त।
करण गर 05.56 बजे, वणिज 16.08 बजे तदनन्तर विष्टि 02.16 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872739
जूलियन दिन 2461204.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447 **महीना** जिल्हेज
तारीख 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

नामांकन निरस्तीकरण की अस्पष्टता और लोकतंत्र की चुनौती

क्या चुनाव लड़ने का अधिकार प्रशासनिक विवेक पर निर्भर हो सकता है?

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनती है, सरकारें बनाती है और उन्हें बदलती भी है। किंतु लोकतांत्रिक प्रक्रिया का यह मूल सिद्धांत तब प्रश्नों के घेरे में आ जाता है जब किसी उम्मीदवार को चुनाव लड़ने से पहले ही नामांकन निरस्त कर प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है। हाल के वर्षों में नामांकन पत्रों और शपथपत्रों (फार्म 26) से जुड़े विवादों ने एक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न खड़ा किया है—क्या चुनाव लड़ने का अधिकार स्पष्ट कानूनी मानकों से संचालित हो रहा है, या फिर यह अधिकारियों की व्याख्या और विवेक पर निर्भर होता जा रहा है ?यह प्रश्न किसी एक दल या व्यक्ति का नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की निष्पक्षता और विश्वसनीयता से जुड़ा प्रश्न है।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 36 नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया निर्धारित करती है। इस धारा का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वही उम्मीदवार चुनाव लड़ें जो कानून द्वारा निर्धारित योग्यता रखते हों और जिनके नामांकन में कोई गंभीर कानूनी दोष न हो।

साथ ही यह धारा स्पष्ट रूप से यह भी संकेत देती है कि तकनीकी या मामूली त्रुटियों के आधार पर उम्मीदवार को चुनाव लड़ने से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की भावना भी यही कहती है कि जहाँ संदेह हो, वहाँ निर्णय चुनाव के पक्ष में होना चाहिए, न कि बहिष्कार के पक्ष में।

यही कारण है कि न्यायालयों ने समय-समय पर रिटर्निंग आफीसर की भूमिका को सीमित बताया है। रिटर्निंग आफीसर कोई न्यायालय नहीं है और न ही वह विस्तृत तथ्यात्मक जांच करने वाली एजेंसी है। उसका कार्य प्रारंभिक परीक्षण करना है, न कि जटिल कानूनी विवादों का अंतिम निपटारा करना।

शपथपत्र और मतदाता का अधिकार

सर्वोच्च न्यायालय ने एडीआर तथा बाद के अनेक निर्णयों में मतदाता के जानने के अधिकार को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अंग माना है। इसी सोच के आधार पर उम्मीदवारों के लिए संपत्ति, देनदारियों, आपराधिक मामलों और शैक्षणिक योग्यता का खुलासा अनिवार्य किया गया।

फार्म 26 इसी पारदर्शिता का साधन है।लेकिन यहीं से एक जटिल प्रश्न उत्पन्न होता है। यदि कोई उम्मीदवार शपथपत्र प्रस्तुत करता है, किंतु उसके खुलासों की पर्याप्तता या पूर्णता पर विवाद उठता है, तो क्या रिटर्निंग अधिकारी उसी समय यह तय कर सकता है कि जानकारी पर्याप्त है या नहीं?

सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णयों का संकेत यही रहा है कि शपथपत्र की सत्यता और पर्याप्तता का अंतिम परीक्षण न्यायिक मंच पर होना चाहिए, न कि स्क्रूटनी की सीमित प्रक्रिया में।

परिमल नाथवानी और मीनाक्षी नटराजन के प्रकरण

इसी संदर्भ में दो चर्चित प्रकरण विशेष महत्व रखते हैं—झारखंड में परिमल नाथवानी का मामला और मीनाक्षी नटराजन से जुड़ा विवाद। परिमल नाथवानी के मामले में आरोप लगाया गया कि कुछ जानकारियों का पूरा खुलासा नहीं किया गया। इसके बावजूद नामांकन को वैध माना गया। इसके पीछे प्रमुख तर्क यह था कि शपथपत्र दाखिल किया जा चुका है और उसकी पर्याप्तता अथवा सत्यता का विस्तृत परीक्षण स्क्रूटनी के दौरान नहीं किया जा सकता।

दूसरी ओर मीनाक्षी नटराजन के मामले में शपथपत्र संबंधी आपत्तियों के आधार पर नामांकन निरस्तीकरण का प्रश्न सामने आया।यहाँ मूल प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सा उम्मीदवार सही था और कौन-सा गलत। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या दोनों मामलों में समान कानूनी सिद्धांत लागू किए गए?यदि एक मामले में कथित अपूर्ण खुलासे को नामांकन निरस्तीकरण का आधार नहीं माना जाता और दूसरे मामले में समान प्रकृति की कमी को गंभीर दोष मान लिया जाता है, तो स्वाभाविक रूप से विधिक समानता और न्यायिक स्थिरता पर प्रश्न उठेंगे।

कानून की विश्वसनीयता केवल उसके अस्तित्व से नहीं बनती। उसकी विश्वसनीयता इस बात से बनती है कि वह समान परिस्थितियों में समान रूप से लागू हो।

लोकतंत्र के लिए वास्तविक खतरा

बहस का केंद्र किसी विशेष उम्मीदवार का भाग्य नहीं होना चाहिए। वास्तविक चिंता इससे कहीं बड़ी है।यदि अपूर्ण खुलासा, अपर्याप्त जानकारी और सारभूत दोष की स्पष्ट परिभाषा नहीं होगी, तो भविष्य में कोई भी उम्मीदवार विवादों और व्याख्याओं के आधार पर चुनाव लड़ने से रोका जा सकता है।

लोकतंत्र में चुनाव लड़ने का अधिकार केवल उम्मीदवार का व्यक्तिगत अधिकार नहीं है। यह मतदाताओं का भी अधिकार है कि वे अधिकतम विकल्पों में से अपना प्रतिनिधि चुन सकें।

जब किसी उम्मीदवार का नामांकन निरस्त किया जाता है, तब केवल एक व्यक्ति प्रक्रिया से बाहर नहीं होता बल्कि मतदाताओं के सामने उपलब्ध एक विकल्प भी समाप्त हो जाता है।

इसलिए नामांकन निरस्तीकरण की शक्ति को अत्यंत सावधानी से प्रयोग किया जाना चाहिए।

क्या झूठी जानकारी को अनदेखा किया जाए?इस तर्क का यह अर्थ नहीं है कि उम्मीदवारों को गलत जानकारी देने की छूट मिल जानी चाहिए।यदि कोई उम्मीदवार जानबूझकर तथ्य छिपाता है या झूठा शपथपत्र देता है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। चुनावी पारदर्शिता लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है।

लेकिन प्रश्न यह है कि उस कार्रवाई का मंच कौन-सा होना चाहिए?

क्या सीमित समय में कार्यरत रिटर्निंग अधिकारी जटिल तथ्यों की जांच कर अंतिम निष्कर्ष निकाले, या फिर न्यायालय साक्ष्यों और विस्तृत सुनवाई के आधार पर निर्णय करे?

लोकतांत्रिक न्यायशास्त्र का सामान्य झुकाव दूसरे विकल्प की ओर रहा है। इसका कारण यह है कि गलत जानकारी देने वाले उम्मीदवार के विरुद्ध बाद में कार्रवाई की जा सकती है, किंतु अनुचित रूप से निरस्त किए गए नामांकन की क्षति अक्सर अपूरणीय होती है।

भूपेन्द्र गुप्ता

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

फीफा विश्व कप: जहाँ आँसू भी एक भाषा बन जाते हैं और खुशी भी

कभी-कभी एक सीटी, एक गोल और एक मैदान पूरी दुनिया को एक परिवार बना देते हैं। 11 जून 2026 को एस्टाडियो एज़्टेका में मेक्सिको की दक्षिण अफ्रीका पर 2-0 की जीत के साथ केवल विश्व कप नहीं शुरू हुआ, बल्कि फुटबॉल ने अपने इतिहास का सबसे विराट अध्याय खोला। 1970 और 1986 के बाद तीसरी बार उद्घाटन मैच का साक्षी बना एज़्टेका अद्वितीय बन गया। तीन देशों की संयुक्त मेजबानी, 48 टीमों की अभूतपूर्व भागीदारी, 104 मुकाबलों और 39 दिनों का यह महाउत्सव खेल से आगे बढ़कर मानवता का साझा उत्सव बन चुका है। यहां हर गोल केवल जाल नहीं हिलाता, बल्कि सरहदों के पार दिलों को भी जोड़ता है। फुटबॉल एक बार फिर साबित कर रहा है कि दुनिया को जीतने की सबसे बड़ी ताकत हथियारों में नहीं, सपनों और भावनाओं में बसती है।

विश्व कप का इतिहास उन आंखों की कहानी है जिनमें असंभव सपने पलते हैं। 1930 में उरुग्वे से शुरू हुई यह यात्रा 2022 में मेस्सी के स्वर्णिम अध्याय तक अनगिनत किंवदंतियां रच चुकी है। ब्राजील का गौरव, जर्मनी का अनुशासन और अर्जेंटीना का जुनून राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक हैं। 2026 का विश्व कप अपने विस्तार और समावेशिता से अलग पहचान बना रहा है। 48 टीमों और 12 समूहों के नए प्रारूप में शीर्ष दो के साथ आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों को भी नॉकआउट का अवसर मिला है। यही इसकी ताकत है। कुराकाओ, उज्बेकिस्तान, जॉर्डन और केप वर्डे का पदार्पण और 52 वर्षों बाद हैती की वापसी बताती है कि फुटबॉल अब केवल शक्तिशाली देशों का मंच नहीं, बल्कि सपनों की मंजिल है।

जब अलग दिशाओं की हवाएं एक लय में बहने लगती हैं, तब विश्व इतिहास नया रूप लेता है। मेक्सिको, कनाडा और अमेरिका ने मिलकर विश्व कप की सबसे बड़ी संयुक्त मेजबानी तैयार की है। मेक्सिको सिटी की ऊंचाई, टोरंटो की ठंडक और लॉस एंजिलिस की चमक के बीच 16 शहर एक साझा उत्सव में जुड़े हैं। यह आयोजन दिखाता है कि खेल सीमाओं से बड़ा होता है। न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में फाइनल पहली बार सुपर बाउल शैली के भव्य हाफटाइम शो के साथ और भी यादगार बनेगा। यह महाआयोजन खेल और वैश्विक संस्कृति के संगम से जन्मी साझेदारी, आस्था और उम्मीद की गाथा है, जो विभाजन की छाया में डूबी दुनिया में उजाले की किरण बनकर उभरता है।

जब खेल मैदान विज्ञान की प्रयोगशाला में बदल जाता है, तब फुटबॉल केवल मुकाबला नहीं, भविष्य का अनुभव बन जाता है। अर्ध-स्वचालित ऑफसाइड तकनीक, खिलाड़ियों के डिजिटल 3-डी अवतार, एआई आधारित विश्लेषण, कनेक्टेड बॉल और हाफटाइम इंटरव्यू जैसी व्यवस्थाएं खेल अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। चार पैनलों वाली ट्रियोन्डा गेंद ने ऊंचाई वाले मैदानों में नई उड़ान और रोमांच पैदा किया है। अब दर्शक सिर्फ खेल नहीं देखते, बल्कि रीयल-टाइम डेटा और विश्लेषण के साथ उसे गहराई से महसूस करते हैं। यह रूप दिखाता है कि परंपरा और नवाचार विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं—जहां खिलाड़ी वर्तमान हैं और तकनीक भविष्य की आहट।

इस विश्व कप की असली ताकत उसका विस्तार नहीं, बल्कि उसकी समावेशिता है। अफ्रीका, एशिया और ओशिनिया को अधिक प्रतिनिधित्व मिला है, जिससे यह प्रतियोगिता सचमुच वैश्विक रूप लेती है। नॉर्वे की 28 वर्षों बाद वापसी, स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रिया का लंबे इंतजार का अंत तथा नए देशों का आगमन इसे और जीवंत बनाते हैं। मेजबान देशों के लाखों युवा विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को देखकर प्रेरित हो रहे हैं। किसी युवा का पहला विश्व कप गोल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के सपनों का उत्सव बन जाता है। यही कारण है कि फुटबॉल राष्ट्रवाद से ऊपर उठकर मानवीय एकता का प्रतीक बनता है—एक ऐसा पुल जो भाषा, संस्कृति और सीमाओं की दूरियां मिटा देता है।

निश्चित रूप से इस विराट आयोजन के समक्ष अनेक चुनौतियां भी उपस्थित हैं। तीन देशों के बीच लंबी यात्राएं, अलग-अलग समय क्षेत्र, मौसम का अंतर, गर्मी और ऊंचाई खिलाड़ियों की शारीरिक परीक्षा लेते हैं। टिकटों की ऊंची कीमतें और पर्यावरणीय प्रभाव भी चर्चा में हैं। 104 मैचों का विशाल कार्यक्रम खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए असाधारण चुनौती है। फिर भी अवसर अधिक बड़े हैं—आर्थिक गति, पर्यटन विस्तार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवाओं की प्रेरणा इसकी स्थायी विरासत बन सकते हैं। यह विश्व कप याद दिलाता है कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाजों को जोड़ने और भविष्य गढ़ने की शक्ति भी है।

भावनाओं की दृष्टि से 2026 का विश्व कप एक विशाल मानवीय उत्सव बन चुका है। एक ओर पुरानी पीढ़ी के सितारे अपने गौरवपूर्ण अध्याय का समापन कर रहे हैं, वहीं नई प्रतिभाएं विश्व मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं। शाकिरा और बर्ना बॉय जैसे कलाकारों से सजा उद्घाटन समारोह तीन देशों की सांस्कृतिक आत्माओं को एक मंच पर पर लेकर आया। एज़्टेका की विरासत, सोफी स्टेडियम की आधुनिकता और बीसी प्लेस की पहचान इस आयोजन को बहुरंगी स्वर देती है। हर स्टेडियम अपनी कहानी कहता है और हर मैच नई संभावना खोलता है। यह विश्व कप रिकॉर्ड ही नहीं, करोड़ों स्मृतियों का स्थायी हिस्सा बन रहा है।2026 का विश्व कप केवल खेल नहीं, बल्कि मानवता के विश्वास का उत्सव है। 1930 से आज तक की यात्रा बार-बार सिद्ध करती है कि एक गेंद दुनिया को जोड़ने की अद्भुत क्षमता रखती है। तीन देशों की संयुक्त मेजबानी सहयोग, संवाद और साझेदारी की ताकत को भविष्य की दिशा देती है। अंतिम सीटी के साथ जब कोई टीम ट्रॉफी उठाएगी, तब असली जीत उसी भावना की होगी जिसने करोड़ों लोगों को एक साथ जोड़कर हंसने, रोने और सपने देखने का साहस दिया। फुटबॉल फिर साबित करेगा कि वह उम्मीदों को पंख देने, दिलों को जोड़ने और सीमाओं को मिटाने वाला सबसे सुंदर खेल है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में प्रचंड और बाबूराम भट्टराई के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का परमादेश जारी

काठमांडू। पूर्व बाल सैनिकों से संबंधित मामले में नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को परमादेश जारी किया, जिससे देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों और माओवादी नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। माओवादी सशस्त्र सेना में रहे लेनिन बिष्ट और अन्य की ओर से दायर इस याचिका में पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' और डॉ. बाबूराम भट्टराई को भी प्रतिवादी बनाया गया था। उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाते हुए रिट याचिका में उठाई गई मांगों के अनुरूप परमादेश जारी किया। लंबे समय से चल रहे इस कानूनी मामले में न्यायालय का यह फैसला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। इस फैसले को नेपाल के सशस्त्र संघर्ष के दौरान बाल सैनिकों की भर्ती से जुड़े आरोपों पर आगे कानूनी प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त करने वाले कदम के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इसके वास्तविक कानूनी प्रभावों का निर्धारण न्यायालय के पूर्ण फैसले की सामग्री सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए लेनिन बिष्ट ने न्याय और पूर्व बाल सैनिकों की एकता के अभियान में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बिष्ट ने कहा, "पूर्व बाल सैनिकों के लिए न्याय और एकता की लड़ाई में योगदान देने वाले सभी लोगों को बधाई। आज हमने एक बड़ी लड़ाई जीत ली है। उच्चतम न्यायालय की पूर्ण पीठ ने परमादेश जारी किया है। आप सभी का एक बार फिर धन्यवाद।" उच्चतम न्यायालय ने अभी फैसले का पूर्ण पाठ सार्वजनिक नहीं किया है, जिसकी प्रतीक्षा है।

मप्र के कूनों में चीतों की निगरानी के लिए तैनात जर्मन शेफर्ड डॉग की मौत

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित प्रसिद्ध कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की निगरानी और ट्रैकिंग के लिए तैनात विशेष रूप से प्रशिक्षित जर्मन शेफर्ड डॉग की मौत हो गई है। कूनो के डीएफओ और डिप्टी डायरेक्टर आर. थिरुकुरल ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कूनो का यह जर्मन शेफर्ड कोई साधारण डॉग नहीं था। जंगल में चीतों की हरकत पर नजर रखने में वन विभाग की मदद करना उसकी जिम्मेदारी थी। डॉग का काम चीतों की ट्रेकिंग, गश्त के साथ वन अमले की सहायता करना था। बुधवार की शाम को कूनो में ट्रैकिंग डॉग की मौत हुई है। मौत के स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आए हैं,

लेकिन चीता प्रबंधन की टीम द्वारा प्रारम्भिक तौर पर हार्टअटैक को मृत्यु का कारण मान रहे हैं, जबकि स्थानीय स्तर पर डॉग के किसी वाहन की चपेट में आने से मौत होने की बात कही जा रही है। कूनो में डॉग की देखरेख के लिए दो हैंडलर तैनात थे। ऐसे में उसकी मौत पर सवाल उठ रहे हैं। कूनो के डिप्टी डायरेक्टर आर. थिरुकुरल का कहना है कि डॉग की मौत के बाद गुरुवार को उसका पोस्टमार्टम कराया गया है। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक की संभावना जताई जा रही है। उसकी मौत की असली वजह क्या है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

चुनावी भाषण को लेकर कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए एक विवादित बयान को लेकर राजधानी कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। पुलिस ने लिखित शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी ने एक विशेष समुदाय को लेकर टिप्पणी की थी। अपने भाषण में उन्होंने कहा था कि यदि एक समुदाय एकजुट हो जाए तो वह विरोधियों की "बारह बजा सकता है"। साथ ही उन्होंने लोगों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ भी भड़काया था। इस बयान को लेकर उस समय भी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। इसके पूर्व इस संबंध में नेताजी सुभाषचंद्र बोस रोड निवासी तुषारकांति दास ने 20 मई को नेताजीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। उनका आरोप था कि भले ही किसी समुदाय का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया हो, लेकिन इस प्रकार की टिप्पणी सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती है और विभिन्न

समुदायों के बीच तनाव पैदा कर सकती है। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में चुनाव के बाद हुई हिंसा और सांप्रदायिक तनाव के लिए इस प्रकार के बयान जिम्मेदार हो सकते हैं। इसी शिकायत के आधार पर हेयर स्ट्रीट थाने ने मामला दर्ज किया है। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री की टिप्पणी प्रथम दृष्टया उकसाने वाली, भड़काऊ और सांप्रदायिक प्रकृति की प्रतीत होती है। शिकायत में कहा गया है कि इस तरह के बयान से भय, घृणा और गलतफहमी का माहौल बन सकता है तथा विभिन्न समुदायों के बीच शांति और सौहार्द प्रभावित हो सकता है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि इस प्रकार की टिप्पणियों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो इससे राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव और लोकतांत्रिक वातावरण को नुकसान पहुंच सकता है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि चुनाव के दौरान दिया गया यह बयान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन भी हो सकता है। शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच की मांग की है। फिलहाल, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में आकाशीय बिजली गिरने से उपसरपंच सहित तीन की मौत, पांच घायल

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक में आज शुक्रवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हो गए है। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कलगांव में आज सुबह मनरेगा में काम करने के दौरान हुई बारिश से बचने के लिए ग्रामीण पेड़ के नीचे आ गए थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच सहित तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए है। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों में संतोष पटेल, प्रकाश पटेल, मनराज पटेल (उपसरपंच) सभी कलगांव के निवासी है। सभी के शव

को पोस्टमार्टम लिए भेज दिया गया है। अंतागढ़ पुलिस के अनुसर ग्राम कलगांव में मनरेगा के तहत तालाब गहरी करण का कार्य किया जा रहा था। सभी ग्रामीण काम में लगे हुए थे। यहां पर करीब 70 ग्रामीण काम कर रहे थे। इस दौरान अचानक मौसम बदला और तेज आंधी के साथ बारिश होने लगी, बारिश से बचने के लिए सभी मजदूर पास के पेड़ के नीचे आ गये। तभी आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आठ लोग आ गए। इसमें तीन पुरुषों की मौत हो गई और पांच महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी को तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ में भर्ती कराया गया। एक महिला को जिसकी हालत गंभीर है, उसे इलाज के लिये कांकेर रेफर किया गया है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष विकसित भारत की मजबूत नींव के स्वर्णिम वर्ष

एजेंसी, शिमला

केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री तथा भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अवधि केवल एक सरकार का कार्यकाल नहीं, बल्कि विकसित भारत की मजबूत आधारशिला रखने वाले परिवर्तनकारी वर्षों का प्रतीक है। भाजपा द्वारा आयोजित "12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के" अभियान के तहत शुक्रवार को शिमला में आयोजित बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति की दिशा और संस्कृति दोनों को बदला है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार तक सीमित थी, लेकिन मोदी सरकार ने राजनीति को सेवा, सुशासन और जवाबदेही का माध्यम बनाया है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने कई ऐतिहासिक निर्णय देखे हैं। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाना और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करना ऐसे फैसले हैं, जिन्होंने देश की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण की नीतियों के कारण भाजपा को लगातार तीसरी बार जनता का समर्थन मिला है। देश के अधिकांश नागरिक आज भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में निवास कर रहे हैं, जो सरकार की नीतियों पर जनता के विश्वास को दर्शाता है। हिमाचल प्रदेश का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रदेश को विकास की नई गति प्रदान की है। बिलासपुर में एम्स की स्थापना, चंबा, हमीरपुर और नाहन में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण तथा राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क परियोजनाओं के विस्तार से प्रदेश की तस्वीर बदली है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हिमाचल में 14,400 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़क नेटवर्क विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हिमाचल में सभी घरों तक पेयजल सुविधा पहुंचाई गई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से लगभग डेढ़ लाख परिवारों को गैस कनेक्शन मिले हैं, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना से एक लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं।

महिंद्रा फाइनेंस ऑफिस सागर में युवक ने खुद को लगाई आग

एजेंसी, सागर

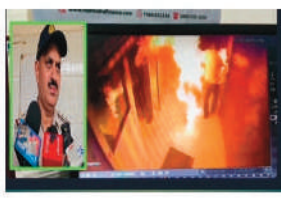

बचाने की कोशिश में ब्रांच मैनेजर भी झुलसा

मध्य प्रदेश के सागर जिले में मकरोनिया थाना क्षेत्र में स्थित महिंद्रा फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने दफ्तर के अंदर ही खुद पर ज्वलनशील पदार्थ (पेट्रोल) डालकर आग लगा ली। देखते ही देखते युवक आग की लपटों से घिर गया। उसे बचाने की कोशिश में कंपनी के ब्रांच मैनेजर भी झुलस गए हैं। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पूरी वारदात का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

परिजन के अनुसार, राहतगढ़ के रहने वाले नीलेश कुमार जैन ने महिंद्रा फाइनेंस कंपनी से एक कार लोन पर ली थी। किन्हीं कारणों से कार की दो किस्तें बकाया थीं। किस्तें न चुकाने के कारण फाइनेंस कंपनी ने कुछ दिनों पहले दमोह से नीलेश की कार को जब्त कर लिया था। नीलेश कुमार जैन के परिजन (साले) नीलेश जैन ने बताया कि कंपनी के लोग घर पहुंच कर पैसा लाए थे। शुक्रवार को नीलेश इसी सिलसिले में अपनी कार वापस लेने और सेटलमेंट की बात करने मकरोनिया स्थित महिंद्रा फाइनेंस के दफ्तर पहुंचे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों और ऑफिस में मौजूद लोगों के मुताबिक, कार्यालय के अंदर नीलेश और फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से और अवसाद में आकर युवक ने अपने पास रखी बोतल से खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया और माचिस जला ली। पलक झपकते ही युवक के पूरे शरीर में आग लग गई, जिससे पूरे ऑफिस में अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया।

रंगदारी नहीं देने पर व्यापारी के घर पहुंचे बदमाश, दी जान से मारने की धमकी

एजेंसी, बिजनौर

उत्तर प्रदेश के बिजनौर शहर के एक बड़े व्यापारी को कुछ बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर रुपये देने की मांग की है । पीड़ित व्यापारी ने पुलिस को जानकारी देते हुए सुरक्षा और कार्यवाही की मांग की है |

बृहस्पतिवार की रात्रि को व्यापारी विनीत अग्रवाल उर्फ लालू निवासी नई बस्ती के घर पर दो पहिया वाहन से आये चार युवकों ने फोन करके बाहर आने व रुपये नहीं देने पर मारने की बात कही। गली में शोर शराबा सुनकर आसपास के कई लोग भी बाहर आ गये तो चारों युवक व्यापारी को मारने की धमकी देते हुए भाग गये| व्यापारी विनीत अग्रवाल ने 112 डायल पर फोन कर पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यापारी के बयान दर्ज किए हैं |

व्यापारी ने पुलिस क्षेत्राधिकारी को इस मामले की लिखित शिकायत करते हुए कहा है कि सत्यम चौधरी , अर्जुन कर्णवाल, गोलू सहित चार युवक मेरे घर आकर जान से मारने की धमकी देते हुए रुपये की मांग कर रहे थे। रुपए न देने पर मारने की धमकी देकर गए हैं। उन्होंने इन बदमाशों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है | थाना बिजनौर शहर कोतवाली प्रभारी अमर सिंह राठौड़ ने बताया की पुलिस क्षेत्राधिकारी को व्यापारी विनीत द्वारा दी गई तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है तथा मामले की जांच की जा रही है |

भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है : शुभेंदु अधिकारी

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि एक समय आधारभूत संरचना विकास के मामले में पिछड़ने वाला भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल को दिया। केंद्र में एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने देश में हुए आर्थिक और आधारभूत संरचना विकास का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देशभर में 1317 नए और आधुनिकीकृत रेलवे स्टेशन विकसित किए गए हैं। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में 164 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय राजधानी एक्सप्रेस और शताब्दी एक्सप्रेस आधुनिक रेल सेवा की पहचान थीं, लेकिन आज वंदे भारत ट्रेनें नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के एक छोर से दूसरे छोर तक की दूरी और यात्रा का समय कम हुआ है, जिससे आर्थिक गतिविधियों की गति भी तेज हुई है।

नागरिक उड्डयन क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में 74 हवाई अड्डे थे, जबकि आज उनकी संख्या दोगुने से भी अधिक हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में देश में 90 से अधिक नए हवाई अड्डों का निर्माण किया गया है। सड़क और परिवहन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवधि में लगभग चार लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार किया गया है तथा सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों में संपर्क व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों ने देश की आर्थिक संरचना को सकारात्मक रूप से बदल दिया है। विकास अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों तक भी पहुंच चुका है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नई सरकार के गठन के मात्र एक महीने के भीतर केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय के कारण विकास कार्यों में तेजी आई है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री लगातार पश्चिम बंगाल का दौरा कर रहे हैं और राज्य सरकार के प्रतिनिधि भी नियमित रूप से दिल्ली जा रहे हैं। इससे विभिन्न परियोजनाओं की स्वीकृति और क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज हुई है। मुख्यमंत्री ने यह भी पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में दो दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे पर आएंगे। उन्होंने बताया कि 20 जून को पहली बार मनाए जाने वाले 'बंगाल स्थापना दिवस' के अवसर पर प्रधानमंत्री हुगली जिले के तारकेश्वर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इस दौरान वह राज्य के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा भी कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए बिछा रेड कारपेट 9,580 करोड़ रुपये के मिले प्रस्ताव

एजेंसी, रायपुर

- इन्वेस्टर कनेक्ट में हैदराबाद के निवेशकों को मुख्यमंत्री साय का निमंत्रण, आईटी, टेक्सटाइल, डेटा सेंटर, फार्मा के क्षेत्र में खुली 7,800 रोजगार की राह

छत्तीसगढ़ ने निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हैदराबाद में आयोजित 'छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट' कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की सात प्रमुख कंपनियों ने 9,580 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए हैं, जिनसे 7,800 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में छत्तीसगढ़ तेजी से उभर रहा है और राज्य में निवेशकों के लिए 'रेड कारपेट' बिछा हुआ है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन सहित दक्षिण भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और कारोबारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने बताया कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु के साथ-साथ जापान और दक्षिण कोरिया में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य को 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आज निवेश के लिए देश के सबसे बेहतर राज्यों में से एक बनकर उभर रहा है। राज्य में उद्योगों के लिए आसान प्रक्रियाएं, सिंगल विंडो व्यवस्था, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और उद्योग अनुकूल नीतियां उपलब्ध हैं। उन्होंने निवेशकों को छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद ने आईटी, फार्मा, बायोटेक्नोलॉजी और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ भी इन क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और दोनों राज्यों के उद्योगपति एवं उद्यमी मिलकर नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मध्य भारत में स्थित छत्तीसगढ़ देश का सबसे उपयुक्त लॉजिस्टिक हब बनने की क्षमता रखता है। छत्तीसगढ़ सात राज्यों से घिरा हुआ है और 60 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं तक सीधी पहुंच प्रदान करता है।

अपराध की जड़ है संस्कारों की कमीः कुमार रणविजय सिंह

एजेंसी, मुरादाबाद

संवेदना वेलफेयर सोसाइटी मुरादाबाद द्वारा आयोजित 10 दिवसीय संस्कार शिविर का समापन समारोह शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने कहा कि एक पुलिस अधिकारी के रूप में मैं रोज़ देखता हूँ कि अपराध की जड़ संस्कारों की कमी से है। यदि हम बचपन से ही बच्चों को सही-गलत का भेद, अनुशासन और नैतिकता सिखा दें, तो समाज स्वतः सुरक्षित हो जाएगा।

पुलिस अधीक्षक नगर ने आगे कहा कि संवेदना वेलफेयर सोसाइटी का यह संस्कार शिविर समाज निर्माण की दिशा में एक सराहनीय कदम है साथ ही मैं इन बच्चों में कल का अनुशासित और जिम्मेदार भारत देख रहा हूं। विद्यालय की निर्देशिका मेजर डा. मीनू मेहरोत्रा ने कहा कि संस्कार शिविर केवल दस दिन का आयोजन नहीं, बल्कि जीवन भर की पूँजी है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्मयोगी विद्यापीठ अहमदाबाद से आए स्वामी कृष्णदेव झा ने कहा कि मां बच्चे की पहली गुरु है और उसके दिए संस्कार जीवन की नींव बनाते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रताप सिंह गर्ल्स इंटर कालेज की प्रधानाचार्या सीमा शर्मा ने रामचरितमानस के आदर्शों को जीवन में उतारने पर जोर दिया।

दो दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी, देहरादून

- आईएमए की पासिंग आउट परेड में होंगी मुख्य अतिथि
- जौलीग्रांट एयर पोर्ट पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री की अगुवाई में स्वागत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को उत्तराखंड पहुंच गईं। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति आज देहरादून स्थित राष्ट्रपति निकेतन का दौरा करेंगी। यहां वे राष्ट्रपति आशियाना परिसर में 132 एकड़ के विशाल क्षेत्रफल में विकसित किए जा रहे अत्याधुनिक राष्ट्रपति उद्यान के निर्माण और विकास कार्यों का अवलोकन करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 13 जून को आईएमए की पासिंग आउट परेड में शामिल होंगी। देहरादून स्थित भारतीय सेना अकादमी में 13 जून को आयोजित होने वाली स्प्रिंग टर्म 2026 की पासिंग आउट परेड (पीओपी) में राष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति परेड की समीक्षा करेंगी और नवप्रशिक्षित कैडेटों को सलामी देंगी। राष्ट्रपति के उत्तराखंड दौरे को देखते हुए देहरादून में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है व यातायात और ड्रोन प्रतिबंध संबंधी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं।

मेट्टूर बांध से नहीं छोड़ा गया पानी, कावेरी डेल्टा के 16 लाख एकड़ कृषि क्षेत्र पर संकट, किसान निराश

एजेंसी, सेलम

तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र के लाखों किसानों को शुक्रवार को उस समय निराशा का सामना करना पड़ा, जब निर्धारित तिथि 12 जून को मेट्टूर बांध से कुरुवई (प्रारंभिक धान) फसल की सिंचाई के लिए पानी नहीं छोड़ा गया। बांध में जलस्तर और जल भंडारण अपेक्षित स्तर से कम होने के कारण इस वर्ष भी सिंचाई सत्र की शुरुआत समय पर नहीं हो सकी। मेट्टूर बांध कावेरी डेल्टा के 12 जिलों की लगभग 16.05 लाख एकड़ कृषि भूमि के लिए जीवनरेखा माना जाता है। परंपरा के अनुसार हर वर्ष 12 जून से 28 जनवरी तक डेल्टा क्षेत्र में सिंचाई के लिए बांध से पानी छोड़ा जाता है। इसके लिए बांध का जलस्तर कम से कम 90 फीट और जल प्रवाह पर्याप्त होना आवश्यक माना जाता है, ताकि कुरुवई धान की खेती समय पर शुरू हो सके।

हालांकि इस वर्ष 12 जून को मेट्टूर बांध का जलस्तर केवल 79.62 फीट दर्ज किया गया, जबकि जल प्रवाह महज 424 क्यूसेक रहा। जल भंडारण और आवक दोनों ही अपेक्षा से कम होने के कारण सिंचाई के लिए पानी छोड़ना संभव नहीं हो पाया। इस स्थिति ने कावेरी डेल्टा के किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। समय पर पानी नहीं मिलने से कुरुवई फसल की बुवाई प्रभावित हो सकती है, जिससे उत्पादन में कमी आने की आशंका है।

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं हुआ तो इसका असर केवल किसानों पर ही नहीं, बल्कि खेती से जुड़े हजारों कृषि मजदूरों के रोजगार पर भी पड़ेगा। आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने के बाद केरल और कर्नाटक के कावेरी जलग्रहण क्षेत्रों में अच्छी बारिश होती है। इसके परिणामस्वरूप कर्नाटक का कबिनी बांध भरता है और अतिरिक्त पानी कावेरी नदी के जरिए मेट्टूर बांध तक पहुंचता है। लेकिन इस वर्ष कावेरी बेसिन में अपेक्षित वर्षा नहीं होने से जलाशयों में पर्याप्त पानी नहीं जुट पाया है।

कर्नाटक के 65 फीट ऊंचे कबिनी बांध का वर्तमान जलस्तर 31.84 फीट दर्ज किया गया है। बांध में पानी की आवक 2,446 क्यूसेक है, जबकि कुल जल भंडारण 6.08 टीएमसी है। ऐसे में निकट भविष्य में मेट्टूर बांध को पर्याप्त जल मिलने की संभावना भी कम दिखाई दे रही है। पिछले वर्षों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2023 में मेट्टूर बांध का जलस्तर 103.35 फीट होने के कारण 12 जून को ही कुरुवई खेती के लिए पानी छोड़ दिया गया था। हालांकि बाद में कमजोर मानसून के चलते जलस्तर तेजी से घट गया और 10 अक्टूबर को सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति रोकनी पड़ी थी।

13-06-2026 T.P. Page 8_Layout 1 13-06-2026 08:06 Page 1

कंगना ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' में क्यों निभाई नर्स की भूमिका

कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म नर्स की बहादुरी की अनसुनी कहानी को बताती है। इस फिल्म में कंगना ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। अपनी फिल्म और अपने किरदार को लेकर कंगना ने कई बातों का खुलासा किया है।

कंगना रनौत ने फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका निभाई है। एएनआई से बातचीत के दौरान इस फिल्म में नर्स की ड्रेस को लेकर कंगना ने कहा, 'नर्सों की वर्दी बहुत ब्रिटिश लगती है, उन्हें नर्सों की अपनी पसंद के अनुसार भारतीय रूप दिया जाना चाहिए।' कंगना रनौत ने बताया कि उन्होंने 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका क्यों निभाई है। कंगना ने कहा, 'अस्पताल के कर्मचारियों ने देश के लिए दृढ़ता दिखाई। एक नर्स अजमल कसाब की पहचान करने में महत्वपूर्ण गवाह बनकर उभरीं।' इसके साथ ही कंगना ने पीएम मोदी की 'भारत भाग्य विधाता' की योजना के बारे में भी खास बात बताई है।

कंगना रनौत ने कहा, 'भारत भाग्य विधाता 26/11 हमलों की एक अनकही वीरता की कहानी है।' इसके साथ ही कंगना ने बताया कि उस दौरान गोलियों और अफरा-तफरी के बीच, नर्सों ने 20 बच्चों को जन्म देने में मदद की थी।'

फिल्म में कंगना रनौत ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। उनके साथ गिरिजा ओक भी एक नर्स के किरदार में हैं। इस फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। 'भारत भाग्य विधाता' एक पैन-इंडिया फिल्म है। कंगना इस फिल्म की निर्माता भी हैं। कंगना और गिरिजा के अलावा फिल्म में स्मिता तांबे, सुहिता थाटे, आशा शेलार, प्रिया बेर्डे, ईशा डे, रसिका अघासे, अमृता नामदेव, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान भी अहम किरदारों में हैं।

डेली सोप में काम करना आसान नहीं, लेकिन यही संघर्ष मुझे मजबूत बनाता है

मुंबई टीवी शो में हर रोज नए एपिसोड लाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार घंटों शूटिंग करनी पड़ती है, कम समय में डायलॉग्स याद करने पड़ते हैं और अलग-अलग इमोशन्स वाले सीन्स को तुरंत निभाना पड़ता है। ऐसे माहौल में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस पर बात करते हुए टीवी अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने डेली सोप में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सफर आसान नहीं है, लेकिन यही मुश्किलें उनके काम को खास बनाती हैं।

नेहा हरसोरा ने कहा, डेली सोप में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह काम कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। जिंदगी में जो चीजें आसानी से मिल जाती हैं, उनमें वह संतुष्टि नहीं होती, जो कड़ी मेहनत के बाद मिलने वाली सफलता में होती है। अभिनय का पेशा कभी भी आसान नहीं रहा है और शायद यही वजह है कि यह मुझे इतना पसंद है।

अपने अनुभवों को साझा करते हुए नेहा ने कहा, कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों को सीन शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही लाइन्स दिए जाते हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत याद करना और बिना गलती के कैमरे के सामने प्रस्तुत भी करना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक सीन में कलाकार को रोना होता है और कुछ ही देर बाद दूसरे सीन में हंसना पड़ता है। इतनी जल्दी इमोशन्स बदलना आसान नहीं होता, लेकिन डेली सोप का हिस्सा होने के कारण कलाकारों को यह सब करना पड़ता है। नेहा ने कहा, डेली सोप का शूटिंग शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि कलाकार अपने घर से ज्यादा समय सेट पर बिताते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक शूटिंग चलती रहती है। कई बार परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी बहुत कम मिलता है। जब किसी ने अभिनेता बनने का सपना चुना है, तो उसे इस तरह की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

अभिनेत्री ने कहा, मुझे सेट पर बिताया गया हर पल पसंद है। कैमरे के सामने खड़े होकर एक्टिंग करना, लाइन्स याद करना और सही इमोशन्स के साथ दर्शकों तक पहुंचाना मुझे खुशी देता है। एक्टिंग मेरे लिए सिर्फ रोजगार का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा जुनून है जिसे मैं पूरे दिल से जीती हूं। हर दिन का काम मुझे यह याद दिलाता है कि मैंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला क्यों किया था। नेहा ने फिल्मों और वेब सीरीज में काम करने वाले कलाकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, फिल्मों और वेब सीरीज में कलाकारों को किरदार समझने, भाषा पर काम करने और रिसर्च करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कई बार वर्कशॉप भी आयोजित की जाती हैं, जिससे कलाकार अपने किरदार में और बेहतर ढंग से ढल सकें। लेकिन डेली सोप की दुनिया बिल्कुल अलग होती है।

अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म कर लूंगा

अदिवि शेष इन दिनों अपनी एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' को लेकर चर्चा में हैं। 'क्षणम', 'गूढ़चारी' और 'मेजर' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बना चुके शेष ने इस फिल्म के माध्यम से एक बार फिर दर्शकों के सामने नई कहानी पेश करने की तैयारी की है। बातचीत में अदिवि शेष ने अपनी आगामी से अपने जुड़ाव और इसके अन्य पहलुओं पर चर्चा की। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था 'डकैत' मूल रूप से सबसे पहले एक प्रेम कहानी है। मैं हमेशा इसे इसी तरह देखता हूं कि यह प्यार की कहानी में बुना गया एक्शन है, न कि एक्शन की कहानी में जोड़ा गया प्यार। अगर आपने फिल्म का गाना 'रूबरू' सुना है, जिसे फहीम अब्दुल्ला ने आवाज दी है, तो उसमें एक बेहद सादगी भरा, रूहानी और पुराने दौर के प्रेम का एहसास मिलता है। यह वैसी ही भावनाओं को दर्शाता है, जैसा कभी पुराने उपन्यासों या पिछली पीढ़ियों की प्रेम कहानियों में देखने को मिलता था। फिल्म का मूल विचार यही था कि जब इतने सरल, पवित्र और भावनात्मक प्रेम के बीच अचानक हिंसा और तीव्र एक्शन प्रवेश करता है, तो पूरा परिवेश किस तरह बदलता है। यही विरोधाभास इस कहानी की सबसे बड़ी ताकत है। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था, बल्कि यह दिखाना था कि भावनात्मक रूप से गहरे रिश्तों के बीच संघर्ष और हिंसा किस तरह असर डालते हैं। यही तत्व फिल्म को अलग, बड़े कैनवास वाली और विश्वसनीय बनाते हैं। मेरा नजरिया हमेशा से स्पष्ट रहा है। मैंने तब भी कहा था कि अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म करने के लिए तैयार हूं। मेरे लिए भाषा नहीं, बल्कि कहानी महत्वपूर्ण है। 'मेजर' के बाद मुझे हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री से 4-5 बड़ी वॉर फिल्में और बायोपिक्स ऑफर हुई थीं, लेकिन मेरे भीतर का लेखक मुझे बार-बार रोक रहा था। मुझे लगा कि मेजर संदीप उन्नीकृष्णन का किरदार निभाने के तुरंत बाद किसी दूसरी सैनिक-आधारित कहानी का हिस्सा बनना सही नहीं होगा। मैं उनके माता-पिता की भावनाओं और उनकी यादों के प्रति ईमानदार रहना चाहता था। मेरे लिए हमेशा वही कहानी मायने रखती है, जो भीतर तक प्रभावित करे।

विजय की फिल्म में दिखेंगी मालविका

मालविका मोहनन इन दिनों अपने करियर के सबसे व्यस्त दौर से गुजर रही हैं और एक साथ कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रही हैं। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार वह इन दिनों चेन्नई में निर्देशक त्यागराजन कुमाराराजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मालविका केवल 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग ही नहीं कर रही हैं, बल्कि इसके साथ-साथ एक अन्य अभी तक घोषित नहीं की गई फिल्म पर भी काम कर रही हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह अपने सभी प्रोजेक्ट्स को लेकर बेहद उत्साहित हैं और पूरी लगन के साथ शूटिंग में जुटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार चेन्नई में चल रहे लगातार फिल्मांकन के बीच मालविका दोनों फिल्मों के काम को संतुलित कर रही हैं, जो उनके पेशेवर समर्पण और मेहनत को दर्शाता है।

ओटीटी के बजाय थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों अपने फिल्मी फैसलों को लेकर काफी साफ और सख्त नजर आ रही हैं। ओटीटी के बढ़ते दौर के बीच उन्होंने खुलकर बताया कि अब वो हर प्रोजेक्ट नहीं करतीं, बल्कि बहुत सोच-समझकर चुनती हैं।

काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहती

इंटरव्यू में शिल्पा ने साफ शब्दों में कहा कि अब वो अपने काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहतीं। उनका मानना है कि इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब वही करना चाहिए जो दिल से सही लगे और स्क्रीन पर दिखने का कोई मजबूत कारण हो।

थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा

उन्होंने यह भी माना कि आजकल फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आया है। कई मेकर्स अब थिएटर के बजाय ओटीटी को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, क्योंकि वहां रिस्क कम होता है। लेकिन शिल्पा का नजरिया थोड़ा अलग है। वो अब ऐसी फिल्म करना चाहती हैं, जो थिएटर्स में रिलीज हो। उन्होंने कहा, 'मेरे बच्चों ने मुझे थिएटर्स में नहीं देखा है। इसलिए मैं एक थिएटर फिल्म करना चाहती हूं। मेरे बेटे ने 2023 में सुखी देखी थी, लेकिन वो प्रीव्यू थिएटर में थी। मैं चाहती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म मिले, जैसी हम पहले बनाया करते थे।

काफी सोचकर प्रोजेक्ट चुनती हैं शिल्पा

शिल्पा ने बताया कि उन्होंने कई बड़ी फिल्मों को भी मना किया है, लेकिन उन्हें अपने फैसलों का कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा उनके लिए पैसा या बड़ा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि काम की क्वालिटी ज्यादा मायने रखती है।

शिल्पा शेट्टी ने इंडस्ट्री में खूब पहचान बनाई है। वे आज 51 वर्ष की हो गई हैं। अपनी फिटनेस के लिए भी वे खूब जानी जाती हैं। शिल्पा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' होस्ट करती दिखेंगी।

तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर है एकता कपूर का राज

भारतीय टेलीविजन की बात हो और एकता कपूर का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। पिछले तीन दशकों में अगर किसी एक शख्स ने छोटे पर्दे की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, तो वह हैं एकता कपूर। उन्हें यूं ही 'कंटेंट क्वीन' नहीं कहा जाता। उन्होंने सिर्फ टीवी शो नहीं बनाए, बल्कि ऐसे किरदार, कहानियां और ट्रेंड्स गढ़े जो लोगों की जिंदगी और बातचीत का हिस्सा बन गए।

एकता कपूर ने उस दौर में टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा, जब मनोरंजन के विकल्प बेहद सीमित थे लेकिन उन्होंने भारतीय दर्शकों की नब्ज को जिस तरह समझा, उसने उन्हें बाकी निर्माताओं से अलग खड़ा कर दिया। उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने भारतीय टेलीविजन को ऐसे शो दिए, जिन्होंने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और घर-घर में अपनी पहचान बनाई। एकता कपूर के धारावाहिकों के किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानने लगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर विरानी की मौत। यह सिर्फ एक कहानी का मोड़ नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। दर्शकों ने विरोध किया, भावुक हुए और आखिरकार शो के निर्माताओं को मिहिर को वापस लाना पड़ा। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया।

इसी तरह 'कसौटी जिंदगी की' की कोमोलिका को कौन भूल सकता है? उर्वशी ढोलकिया का यह किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं था, बल्कि एक पॉप कल्चर आइकॉन बन गया। उनकी स्टाइलिश बिंदी, ड्रामैटिक एंट्री और बैकग्राउंड म्यूजिक ने ऐसा असर छोड़ा कि आज भी कोमोलिका का नाम लेते ही वह छवि आंखों के सामने आ जाती है।

एकता कपूर ने सिर्फ ड्रामा नहीं रचा, बल्कि ट्रेंड भी बनाए। 'कुटुंब' और 'कहीं तो होगा' जैसे शोज ने रोमांस को नए अंदाज में पेश किया। ऑफिस रोमांस की कहानियों ने युवाओं के बीच एक नया क्रेज पैदा किया। वहीं 'नागिन' के जरिए उन्होंने सुपरनेचुरल फिक्शन को मुख्यधारा में ला खड़ा किया। मौनी रॉय का इच्छाधारी नागिन वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि यह शो भारतीय टेलीविजन की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में शामिल हो गया।

एकता कपूर की सफलता सिर्फ उनके शोज तक सीमित नहीं है। उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन 'टैलेंट स्पॉटर' भी माना जाता है। उन्होंने कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया, जो आगे चलकर बड़े सितारे बने। विद्या बालन को शुरुआती पहचान 'हम पांच' से मिली। आज वही विद्या भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भी घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय काफी हद तक एकता कपूर को जाता है। 'पवित्र रिश्ता' के मानव के रूप में उन्होंने करोड़ों दर्शकों का दिल जीता और यहीं से उनके फिल्मी करियर की मजबूत नींव पड़ी। इसी तरह मौनी रॉय, प्राची देसाई, अनीता हसनंदानी, राधिका मदान और कई अन्य कलाकारों को भी एकता कपूर के मंच से पहचान मिली। यही वजह है कि इंडस्ट्री में उन्हें सिर्फ निर्माता नहीं, बल्कि 'स्टारमेकर' भी कहा जाता है।

एकता कपूर की एक और खासियत यह रही कि उन्होंने समय के साथ खुद को लगातार बदला। जब टीवी का दौर चरम पर था, तब उन्होंने छोटे पर्दे पर राज किया और जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का दौर आया तो उन्होंने वेब कंटेंट की दुनिया में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वह दर्शकों की बदलते पसंद को समझती रही और उसी के अनुसार कंटेंट तैयार करती रही।

उनकी मेहनत और योगदान को देश-दुनिया में कई बड़े सम्मान मिले हैं। पद्म श्री के साथ ही एकता कपूर को बिजनेस, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।